www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 39 || लखनऊ
शनिवार
09 मई 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित

मौसम
सूर्योदयः 05:23
सूर्यास्तः 06:43
अधिकतमः 34°00
न्यूनतमः 24°00

पेज 03

विशेष समाचार | तमिलनाडु में क्या दुश्मन बन ... >> पेज 02 | यूपी में शहद उत्पादन को ... >> पेज 04 | नोरा फतेही ने अश्लील गाने पर माफी ...

बंगाल के नए मुख्यमंत्री होंगे सुवेंदु अधिकारी

सरकार बनाने का दावा पेश किया, शाह बोले- महिला सुरक्षा टॉप प्रायोरिटी

सुवेंदु बोले- संदेशखाली और आरजी कर मामले की जांच के लिए आयोग बनाएंगे

हमारे हजारों कार्यकर्ताओं ने सालों तक हिंसा, उत्पीड़न और झूठे मामलों का सामना किया है। अब BJP सरकार उनकी उम्मीदों पर खरा उतरने का काम करेगी। महिला सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है। संदेशखाली और आरजी कर मेडिकल कॉलेज जैसे मामलों की जांच के लिए आयोग बनाएंगे। दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।

पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा किए गए सभी चुनावी वादों को लागू किया जाएगा। केंद्र और राज्य सरकार मिलकर काम करेंगी ताकि जनता की उम्मीदें पूरी हो सकें। बंगाल की जनता को धन्यवादः भाजपा पर भरोसा करके बंगाल की जनता को प्रचंड विजयी देने के लिए धन्यवाद। बंगाल की जनता ने जो अपेक्षाएं रखी हैं, हम पूरी कोशिश करेंगे कि आपके भरोसे को थोड़ा भी ठेस न पहुंचे।

शाह ने सुवेंदु को गले लगाकर बधाई दी

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता। सुवेंदु अधिकारी पश्चिम बंगाल के नए सीएम होंगे। कोलकाता में कन्वेंशन सेंटर में आयोजित विधायक दल की बैठक में उन्हें नेता चुना गया। बैठक के बाद अमित शाह ने उनके नाम का ऐलान किया। इसके बाद सुवेंदु लोकभवन में राज्यपाल से मिले और सरकार बनाने का दावा पेश किया। सुवेंदु कल सुबह 11 बजे कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में मुख्यमंत्री की शपथ लेंगे। शपथ ग्रहण समारोह में PM मोदी, शाह समेत NDA के कई बड़े नेता शामिल होंगे।

>> (शेष पेज 04 पर)

शाह बोले- 2014 में बंगाल में खाता खुला, आज हमारी सरकार

शाह ने कहा- 2014 से जो यात्रा निकली, ये अभूतपूर्व यात्रा है। अपने पुरुषार्थ से, कौशल से जनमत को कैसे संजोया जा सकता है। इसका दुनियाभर में सबसे बेहतरीन उदाहरण है 2014 से 2026 तक भाजपा की यात्रा। पूरा देश आज इस बात के लिए हमारे पार्टी और मोदी जी को स्वीकृति देता है। 2014 में बंगाल में हमारा खाता खुला। अगले चुनाव में 77 हुए और आज हम यहां बैठे हैं।

शाह बोले- पूरे देश से घुसपैठियों को चुन-चुनकर निकालेंगे

शाह ने कहा- भाजपा का वादा है कि बंगाल की जनता को कि न सिर्फ बंगाल, पूरे देश से हम एक-एक घुसपैठियों को चुन-चुनकर निकालेंगे। ये ध्रुवीकरण का मुद्दा नहीं है। ये देश की सुरक्षा का मुद्दा है। बंकिम बाबू के परिवार से बहन सुमित्रा चटोपाध्याय हमारे साथ जुड़ी हैं। सबसे बड़ी बात ये है कि वंदे मातरम के 150वें साल में बंकिम बाबू की धरती पर हमें सरकार बनाने का मौका मिला। शाह ने कहा- भवानीपुर की जनता का भी बहुत बहुत धन्यवाद। सुवेंदु ने पिछले चुनाव में नंदीग्राम में हराया था। दीदी इस बार तो सुवेंदु दा ने आपको आपके घर में हराया है। भवानीपुर की जनता का दिल से धन्यवाद। इस जीत का महत्व पार्टी के विस्तार तक सीमित नहीं है। इसका महत्व भाजपा-NDA का 21वां राज्य हुआ तक सीमित नहीं है।

शाह के संबोधन की 5 बड़ी बातें, कहा- बंगाल में भाजपा का झंडा फहराने का सपना पूरा

- **गंगोत्री से गंगासागर तक, आज भाजपा की सरकारः** 100 साल की वैचारिक यात्रा के बाद गंगोत्री से गंगासागर तक, आज भाजपा की सरकार बनी है। 1950 से जिस विचार को लेकर हम निकले, श्यामा प्रसाद मुखर्जी के विचार को लेकर निकले। आज उनकी ही पार्टी की सरकार बनी।
- **बंगाल में भाजपा का झंडा फहराने का सपना पूरा हुआः** 370 हटी तो देश भर में कार्यकर्ताओं में खुशी थी। लेकिन कई कार्यकर्ताओं ने कहा था कि अभी भी एक कसक बची है। उन्होंने कहा कि बंगाल में भाजपा का झंडा फहराना है। वो भी आज पूरा हो गया।
- **भाजपा के 3 से 207 विधायक हुएः** हमारे विधायकों के जीत का औसत मार्जिन 28 हजार है। 3 से 77 और 77 से 207 की यात्रा अभूतपूर्व है। 9 जिलों में टीएमसी का खाता तक नहीं खुला। दीदी का सूपड़ा साफ हो गया।
- **घुसपैठियों को चुन-चुनकर निकालेंगेः** भाजपा का वादा है कि बंगाल की जनता को कि न सिर्फ बंगाल, पूरे देश से हम एक-एक घुसपैठियों को चुन-चुनकर निकालेंगे। ये ध्रुवीकरण का मुद्दा नहीं है। ये देश की सुरक्षा का मुद्दा है।
- **बंगाल की जनता को धन्यवादः** भाजपा पर भरोसा करके बंगाल की जनता को प्रचंड विजयी देने के लिए धन्यवाद। बंगाल की जनता ने जो अपेक्षाएं रखी हैं, हम पूरी कोशिश करेंगे कि आपके भरोसे को थोड़ा भी ठेस न पहुंचे।

> अमित शाह ने कहा- आज बंगाल का विजय अनेक लिहाज से अहम है। 100 साल की वैचारिक यात्रा के बाद गंगोत्री से गंगासागर तक, आज भाजपा की सरकार बनी है। 1950 से जिस विचार को लेकर हम निकले, श्यामा प्रसाद मुखर्जी के विचार को लेकर निकले। आज उनकी ही पार्टी की सरकार बनी। 370 हटी तो देश भर में कार्यकर्ताओं में खुशी थी। लेकिन कई कार्यकर्ताओं ने कहा था कि अभी भी एक कसक बची है। उन्होंने कहा कि बंगाल में भाजपा का झंडा फहराना है। वो भी आज पूरा हो गया।

शाह बोले- आज से जनता के प्रति हमारी जिम्मेदारी बढ़ गई है

शाह ने कहा- जहां मन भय मुक्त हो, सिर गर्व से ऊंचा हो, ऐसे बंगाल का रास्ता प्रशस्त हो चुका है। 5 दशक का लंबा समय लोकतंत्र की दृष्टि से बंगाल के लिए दिन में सपने जैसा था। मोदी ने जो वादा किया है, उसे पूरा करने के लिए हम हमारा सर्वश्रेष्ठ अर्पित करें। बंगाल की संस्कृति, परंपरा को 5 दशक से विदेशी विचारों से प्रभावित शासन से मुक्त बंगाल की दिशा में आगे बढ़े। हमारी जिम्मेदारी आज से बढ़ती है।

एमपी और यूपी में आंधी-बारिश से 10 डिग्री सेल्सियस तक घटा तापमान

जैसलमेर में पारा 45 डिग्री सेल्सियस पार, नांदेड़ में दोपहर में कोचिंग बंद रखने का आदेश

तमसा संकेत, एजेंसी

उत्तर प्रदेश, पाकिस्तान से सटे राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड और गंगा से सटे बंगाल के इलाकों में आज आंधी-बारिश का अलर्ट है। दक्षिण में केरल, कर्नाटक और तमिलनाडु के कई जिलों में भी अगले 7 दिन तक भारी बारिश होगी। शुक्रवार को एमपी में आंधी बारिश के बाद तापमान 34°C तक पहुंच गया। यूपी में भी बारिश से राहत रही। 7 दिन पहले जिस बांदा में तापमान 47.6°C था, वह 7 मई को 38°C तक पहुंच गया। हालांकि, गुजरात और महाराष्ट्र में गर्मी और उमस वाला मौसम बना हुआ है। गुजरात का राजकोट देश में सबसे गर्म रहा, यहां का तापमान 42.9°C दर्ज किया गया। महाराष्ट्र के नांदेड़ जिला प्रशासन ने निजी कोचिंग संस्थानों को दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे के बीच क्लासेस रोकने को कहा है।

कलेक्टर ने निर्देश दिया कि क्लासेस सुबह-शाम या ऑनलाइन/डिजिटली लगाई जाएं। सभी 13 जिलों में शुक्रवार को बारिश की संभावना है। मौसम विभाग ने पांच जिलों के लिए विशेष चेतावनी जारी की है, जिसमें बारिश और बर्फबारी हो सकती है। गुरुवार को ऊधम सिंह नगर के काशीपुर, जसपुर, बाजपुर, गदरपुर, रुद्रपुर और किच्छा में बारिश हुई। यहां 40kmph की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। 13 मई तक ऐसा ही मौसम रहने वाला है।

मंत्री शाह को ऐसे कमेंट्स की आदत : सुप्रीम कोर्ट

कर्नल सोफिया मामले में एमपी सरकार को फटकार

तमसा संकेत, एजेंसी

भोपाल। सेना की महिला अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी पर आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में मध्य प्रदेश के कैबिनेट मंत्री कुंवर विजय शाह की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में अभियोजन स्वीकृति देने में हो रही देरी पर राज्य सरकार को फटकार लगाई। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्यकांत ने कड़े शब्दों में कहा- Enough is enough (बस बहुत हुआ), अब हमारे आदेश का पालन कीजिए। सुनवाई के दौरान जब सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने मंत्री का बचाव करते हुए कहा कि शायद उनके बयान को गलत समझा गया और वे महिला अधिकारी की प्रशंसा करना चाहते थे तो सीजेआई सूर्यकांत ने इसे सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा- यह सिर्फ

दुर्भाग्यपूर्ण नहीं, बल्कि बेहद दुर्भाग्यपूर्ण था। एक राजनेता के तौर पर उन्हें अच्छी तरह पता है कि किसी महिला अधिकारी की प्रशंसा कैसे की जाती है। कोर्ट ने SIT की स्टेटस रिपोर्ट का हवाला देते हुए टिप्पणी की कि मंत्री को इस तरह के कमेंट करने की आदत है। यह विवाद पिछले साल भारत की ओर से पाकिस्तान के खिलाफ की गई क्रॉस-बॉर्डर सैन्य कार्रवाई ऑपरेशन सिंदूर के बाद शुरू हुआ था।

फास्ट न्यूज

कश्मीर में एडवांस हथियारों वाली 1500 विलेज गार्ड्स की फौज

जम्मू/श्रीनगर। ऑपरेशन सिंदूर के बाद जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा एजेंसियों ने गांव स्तर पर सुरक्षा तंत्र काफी मजबूत किया है। पिछले एक साल में पांच जिलों में 1500 से ज्यादा विलेज डिफेंस गार्ड्स (वीडीजी) को ट्रेनिंग दी गई है। इसमें हथियार चलाना, टैक्टिकल मूवमेंट, सर्विलांस व इमरजेंसी रिस्पॉन्स शामिल है। वहीं, .303 राइफल की जगह एसएलआर, बुलेटप्रूफ जैकेट व वायरलेस कम्युनिकेशन सेट भी दिए जा रहे हैं।

नासिक टीसीएस केस- मुख्य आरोपी निदा खान हिरासत में

नासिक। नासिक TCS केस में पुलिस ने मुख्य आरोपी निदा खान को गुरुवार रात छत्रपति संभाजीनगर से हिरासत में लिया। निदा पर सेक्सुअल हैरेसमेंट और जबरन धर्म परिवर्तन के आरोप हैं। इससे पहले 2 मई को नासिक कोर्ट ने निदा की एंटीसिपेटरी बेल याचिका खारिज की थी। प्रॉसिक्यूशन ने कोर्ट में कहा कि आरोप गंभीर हैं और उनसे कस्टडी में पूछताछ जरूरी है। इस दौरान निदा फरार चल रही थी। पब्लिक प्रॉसिक्यूटर अजय मिसर ने बताया था कि निदा खान इस केस की मुख्य आरोपियों में से एक हैं। इसी आधार पर कोर्ट ने उनकी अग्रिम जमानत देने से इनकार कर दिया। FIR के अनुसार, निदा पर आरोप है कि उसने महिला कर्मचारियों को बुर्का पहनने की सलाह दी थी।

कुत्तों ने 2 साल की बच्ची को नोच-नोचकर मार डाला

झालावाड़। राजस्थान के झालावाड़ में कुत्तों के हमले में 2 साल की बच्ची की मौत हो गई। घटना शुक्रवार सुबह करीब 5 बजे भाटिया वर्कशॉप के पास एक अस्थायी टेंट के बाहर हुई। बच्ची पिता के साथ टेंट के बाहर सो रही थी। तभी 3-4 कुत्ते अचानक वहां पहुंचे और बच्ची को उठाकर करीब 50 मीटर दूर ले गए। आहट सुनकर पिता उठे तो बच्ची गायब थी। पिता बच्ची को ढूंढते हुए मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक कुत्तों ने बच्ची को बुरी तरह नोच डाला था।

सद्भाव यात्रा से हरियाणा को फायदा होगा : राहुल गांधी

गुरुग्राम में बृजेंद्र सिंह के साथ 1 किमी पैदल चले, कहा- एपस्टीन फाइल में पीएम की हिस्ट्री

तमसा संकेत, एजेंसी

गुरुग्राम। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी शुक्रवार को गुरुग्राम में पूर्व सांसद बृजेंद्र सिंह की सद्भाव यात्रा में शामिल हुए। वह खांडसा चौक से एसडी स्कूल तक एक किलोमीटर पैदल चले। यहां उन्होंने जनसभा को संबोधित किया। राहुल गांधी ने कहा, बृजेंद्र की इस यात्रा से हरियाणा को बहुत फायदा होगा, क्योंकि इन्होंने हरियाणा के लोगों की पल्स (नब्स) सुनकर समझी। आप (बृजेंद्र) हजारों किलोमीटर चले। आपकी मेहनत सबने देखी। मेरा पूरा सपोर्ट आपके साथ है। कांग्रेस पार्टी में हमारे जो युवा नेता हैं, उन सबको जनता के बीच में इस तरह की यात्रा करनी चाहिए। PM नरेंद्र

> वहीं बृजेंद्र सिंह ने कहा यह यात्रा हमने राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा की तर्ज पर शुरू की है। हम 2700 किलोमीटर पैदल चल चुके हैं। अभी पांच हलके बाकी हैं। राहुल गांधी के आने से ये यात्रा आज पूर्ण हो चुकी है।

मोदी पर राहुल ने कहा- "आपका सारा डेटा नरेंद्र मोदी ने अमेरिका को पकड़ा दिया।

>> (शेष पेज 04 पर)

बृजेंद्र सिंह हरियाणा की जनता के बीच गए

राहुल गांधी ने कहा, कुछ साल पहले हमने कन्याकुमारी से कश्मीर तक यात्रा की थी। 4000 किलोमीटर तक हम चले और हमारे साथ लाखों लोग चले थे। एक नारा था, 'नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोली'। यह नारा हमारा नारा नहीं था, यह नारा भीड़ से आया था।

टीवीके को समर्थन देने से नाराज, अखिलेश का तंज- हम मुश्किलों में साथ नहीं छोड़ते

डीएमके सांसद लोकसभा में कांग्रेस के साथ नहीं बैठेंगे

तमसा संकेत, एजेंसी

तमिलनाडु में एक्टर विजय की पार्टी TVK को समर्थन देने से नाराज द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (DMK) ने कांग्रेस से अपना गठबंधन खत्म कर दिया है। DMK ने लोकसभा में कांग्रेस सांसदों के साथ ना बैठने का फैसला किया है। सांसद कनिमोझी ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को लेटर लिखकर सिटिंग अरेंजमेंट बदलने की मांग की है। कनिमोझी ने कहा कि बदलते हालातों में कांग्रेस सांसदों के साथ बैठना उचित नहीं है। लोकसभा में 22 सांसदों वाली DMK, विपक्षी INDIA गठबंधन की चौथी सबसे बड़ी

पार्टी है। इससे पहले INDIA गठबंधन के लोकसभा में दूसरे सबसे बड़े दल समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने गुरुवार को ममता बनर्जी से मुलाकात की थी। उन्होंने ममता से मुलाकात की फोटो और एमके स्टालिन के साथ पुरानी फोटो पोस्ट करके लिखा- हम वो नहीं जो मुश्किलों में साथ छोड़ दें। लोकसभा में स्पीकर के दायीं तरफ सत्ता पक्ष के सांसद बैठते हैं। दायीं तरफ सबसे आगे की पंक्ति में आमतौर पर प्रधानमंत्री बैठते हैं। उनके साथ गृह मंत्री, रक्षा मंत्री, वित्त मंत्री जैसे वरिष्ठ कैबिनेट मंत्री को जगह दी जाती है। स्पीकर की बायीं तरफ विपक्षी दल बैठते हैं।

>> (शेष पेज 04 पर)

डीएमके बोली- कांग्रेस ने पीठ में छुरा घोंपा

- DMK नेताओं ने कांग्रेस पर "पीठ में छुरा घोंपने" का आरोप लगाया है। पार्टी प्रवक्ता सरवनन अन्नादुरई ने कहा कि कांग्रेस को तमिलनाडु में जो पांच सीटें मिलीं, वह DMK गठबंधन की वजह से मिलीं। उनका दावा है कि गठबंधन नहीं होता तो कांग्रेस एक भी सीट नहीं जीत पाती।
- वहीं कांग्रेस का कहना है कि उसने तमिलनाडु की जनता के जनादेश का सम्मान करते हुए TVK का समर्थन किया है और यही जिम्मेदार विपक्ष की भूमिका है।
- DMK और कांग्रेस का गठबंधन कई दशकों पुराना रहा है। बीच-बीच में मतभेद जरूर हुए, लेकिन दोनों पार्टियां 2016 में फिर साथ आई थीं।

शपथ : राज्यपाल को 118 विधायकों का समर्थन पत्र सौंपा, सरकार बनाने की मंजूरी मिली

एक्टर विजय तमिलनाडु के सीएम होंगे

तमसा संकेत, एजेंसी

चेन्नई। तमिलनाडु में सरकार गठन को लेकर जारी राजनीतिक सस्पेंस खत्म हो गया है। TVK चीफ और एक्टर विजय मुख्यमंत्री बनेंगे। राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने विजय को सरकार बनाने की मंजूरी दे दी है। विजय कल CM पद की शपथ ले सकते हैं। विजय ने शुक्रवार को लोकभवन में लगातार तीसरे दिन राज्यपाल से मुलाकात कर सरकार बनाने का दावा पेश किया। उन्होंने राज्यपाल को TVK, कांग्रेस, CPI, CPI(M) और VCK के कुल 118 विधायकों का समर्थन पत्र सौंपा। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में TVK ने 234 में से 108 सीटें जीती हैं। इनमें दो सीटों पर विजय जीते हैं। उन्हें एक सीट छोड़नी पड़ेगी। ऐसे में कुल विधायक 107 हैं। कांग्रेस के 5 और CPI, CPI(M),

VCK के 2-2 विधायकों के समर्थन से TVK ने बहुमत का आंकड़ा हासिल कर लिया है। इससे पहले विजय ने 6 और 7 मई को भी सरकार बनाने का दावा पेश किया था। लेकिन राज्यपाल ने कहा कि 118 विधायकों का समर्थन दिखाए बिना वे सरकार बनाने के लिए आमंत्रित नहीं कर सकते। TVK को बहुमत नहीं मिलने के केस में DMK और AIADMK में गठबंधन के बाद सरकार गठन की अटकलें हैं। TVK ने कहा कि अगर दोनों पार्टियों ने सरकार बनाने का दावा पेश किया, तो उसके सभी विधायक इस्तीफा दे देंगे। TVK समर्थकों ने शुक्रवार सुबह गवर्नर हाउस (लोकभवन) के सामने प्रदर्शन और नारेबाजी की। पुलिस ने कई समर्थकों को हिरासत में लिया।

>> (शेष पेज 04 पर)

टीवीके को कांग्रेस के समर्थन पर मणिशंकर अय्यर बोले- यह अवसरवादी राजनीति

कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर ने तमिलनाडु में TVK को समर्थन देने के पार्टी के फैसले की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने इसे भयावह, अवसरवादी राजनीतिक और महात्मा गांधी के सिद्धांतों का उल्लंघन बताया। PTI से बातचीत में अय्यर ने कहा- कांग्रेस ने हाल ही में DMK के साथ चुनाव लड़ा और तुरंत बाद उसी TVK के साथ चली गई, जिसने कांग्रेस के खिलाफ चुनाव लड़ा था। यह फैसला महात्मा गांधी के 1925 के उस सिद्धांत का उल्लंघन" है, जिसमें स्वराज को नैतिकता पर आधारित शासन बताया गया था।

स्टालिन ने एक्स पर पोस्ट में लिखा- मौजूदा विधानसभा पहले ही भंग की जा चुकी है और राज्यपाल ने इस संबंध में अधिसूचना भी जारी कर दी है। ऐसे में समय की मांग और लोकतंत्र की सबसे अहम जिम्मेदारी यही है कि नई सरकार का गठन जल्द किया जाए।

सीजेआई बोले मुझे डांटकर चैम्बर से बाहर निकाल दिया था

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने शुक्रवार को अपनी निजी जिंदगी से जुड़ा एक किस्सा सुनाया। केस की सुनवाई के दौरान CJI ने बताया कैसे एक जज ने उन्हें डांट लगाते हुए चैंबर से बाहर निकल जाने को कहा था। ये किस्सा जस्टिस सूर्यकांत ने ज्यूडिशियल सर्विस की एप्लीकेंट की याचिका पर सुनवाई के दौरान सुनाया। मजिस्ट्रेट परीक्षा की कॉपी दोबारा जांच कराने की मांग लेकर प्रेरणा गुप्ता अपनी बात रख रही थीं, तभी CJI ने बीच में कहा, "मैं आपको अपनी निजी कहानी सुनाता हूं। उम्मीद है कि इसके बाद आप खुशी-खुशी जाएंगी, क्योंकि हम आपकी याचिका मंजूर नहीं कर सकते।" पहला, न्यायिक सेवा में मजिस्ट्रेट के रूप में शामिल होकर धीरे-धीरे प्रमोशन पाना और फिर हाई कोर्ट व संभव हो तो सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचना। दूसरा, वकालत करना, बार में अपनी पहचान बनाना और बाद में सीधे उच्च स्तर पर जज नियुक्त होना।

सुवेंदु के पीए को सुपारी किलर्स से मरवाया

भाजपा विधायक बोले- मैंने कराहने की आवाज सुनी, दोबारा कॉल किया तो नहीं उठा

दावा

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में BJP नेता सुवेंदु अधिकारी के पीए चंद्रनाथ रथ हत्याकांड में नया दावा किया गया है। शुरुआती जांच में संकेत मिले हैं कि चंद्रनाथ रथ की बुधवार रात सजिश के साथ हत्या की गई। पुलिस को शक है कि इसमें प्रोफेशनल शूटर शामिल हो सकते हैं। इस वारदात से बंगाल में विधानसभा चुनाव के बाद सियासी हिंसा का डर फिर लौट आया है। पुलिस के सीनियर अफसर के मुताबिक कई टीमें जांच में जुटी हैं। 3 संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। इधर, हत्या में इस्तेमाल की गई दूसरी बाइक भी बरामद कर ली गई है।

क्राइम सीन की जांच करते हुए क्रिमिनल इन्वेस्टिगेशन डिपार्टमेंट (सीआईडी) के अधिकारी।

यह बाइक गुरुवार रात बारासात में 11 नंबर रेल गेट इलाके के पास मिली। यह बाइक पहले दमदम इलाके से चोरी हुई थी। चंद्रनाथ रथ की बुधवार रात 10.30 बजे गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

सम्पादकीय

तमिलनाडु में सत्ता का बेवजह विवाद

हाल में संपन्न चुनावों में भाजपा की बड़ी जीत के बाद एक जबरदस्त कटाक्ष सोशल मीडिया पर पढ़ने मिला कि ये तो मोदीजी का बड़प्पन है कि चुनाव करवाने के बाद भाजपा को विजेता दिखाते हैं। वाकई देश में एक अजब मुकाम पर आ पहुंचा है कि जहां चुनाव से पहले ही ऐलान हो जाता है कि आएगा तो मोदी ही और इस घोर अलोकतांत्रिक रवैये पर अब जनता ने सवाल उठाना भी छोड़ दिया है। जब पहले से तय है कि आएगा तो मोदी ही, तो उसके बाद भी चुनाव की लंबी-चौड़ी, खर्चीली प्रक्रिया की औपचारिकता निभाना वाकई बड़प्पन ही है। कम से कम लोकतांत्रिक, निष्पक्ष चुनाव का भरम तो बना ही हुआ है। इसी भरम के सहारे भाजपा या चुनाव आयोग पर सवाल उठाने वालों को जवाब भी मिलता है कि अगर निष्पक्ष चुनाव नहीं होते तो कहीं-कहीं कांग्रेस या दूसरे दलों को जीत कैसे मिलती है। यानी एकाध जगह अगर भाजपा के खिलाफ कोई जीत गया तो उसे ही चुनाव आयोग और भाजपा की निष्पक्षता के सबूत के तौर पर पेश किया जाता है। लेकिन विपक्ष के जीते हुए राज्यों में भी भाजपा किस तरह खेल करती है, इसका ताजा उदाहरण तमिलनाडु से सामने आ रहा है। इस बार तमिलनाडु में किसी भी दल को पूर्ण बहुमत नहीं मिला है। 243 सीटों की विधानसभा के चुनाव में टीवीके ने कुल 108 सीटें हासिल की है, जबकि बहुमत का आंकड़ा 118 का है। कांग्रेस ने 5 सीटों के साथ टीवीके को समर्थन का ऐलान कर दिया है, फिर भी बहुमत के लिए जरा सी कसर बाकी है। ऐसा नहीं है कि इस तरह की नौबत पहली बार किसी राज्य में हुई हो, जिस पर फैसला लेने में वक्त लग रहा हो। त्रिशंकु विधानसभा या लोकसभा की स्थिति कई बार बनी है। लेकिन आम तौर पर इसमें सबसे बड़ा दल ही सरकार बनाने का दावा पेश करता है और राज्यपाल उसे स्वीकार भी कर लेते हैं। तमिलनाडु में भी टीवीके नेता विजय ने बुधवार को तमिलनाडु के कार्यवाहक राज्यपाल राजेंद्र अर्लेकर से मुलाकात की और सरकार बनाने का दावा पेश किया। लेकिन तब राज्यपाल ने विजय को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित नहीं किया और कहा कि स्थिर सरकार के लिए जरूरी है कि आप बहुमत दिखाने के लिए साथ देने वाले विधायकों के हस्ताक्षर लेकर आएं। अब इतनी जल्दी तो हस्ताक्षर जुटाए नहीं जा सकते, लिहाजा विजय गुरुवार को भी राज्यपाल के पास पहुंचे और करीब 45 मिनट की मुलाकात में फिर सरकार बनाने का दावा पेश करते हुए भरोसा दिलाया कि वे बहुमत साबित कर लेंगे। लेकिन उन्हें दीवार फिल्म के अमिताभ बच्चन की तरह राज्यपाल श्री अर्लेकर ने कहा कि पहले विधायकों के साइन लेकर आओ। जबकि यह राज्यपाल का काम नहीं है कि वह सरकार बनाने का दावा करने वाली पार्टी से बहुमत साबित करने कहे, यह काम विधानसभा फ्लोर टेस्ट में होता है। अगर विजय मुख्यमंत्री बनने के बाद भी बहुमत साबित नहीं कर पाते, तब तो उन्हें सत्ता पर बैठने का हक नहीं है। लेकिन उससे पहले ही उन्हें सरकार बनाने के लिए आमंत्रित न करके एक गलत मिसाल पेश की जा रही है। कई किस्म के कयास लगने शुरु गए, जैसे एआईएडीएमके और डीएमके मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश कर देंगे, या विजय को एआईएडीएमके के कुछ विधायक भी समर्थन दे सकते हैं, आदि, आदि। दरअसल एआईएडीएमके के कई विधायकों को पुडुचेरी के एक निजी होटल में ठहराया गया है। खबरों के मुताबिक एआईएडीएम के एक गुट का मानना है कि पार्टी को टीवीके का समर्थन करना चाहिए, जबकि दूसरा गुट इसके $िखिलाफ़ है। इस मुद्दे पर पार्टी के महासचिव ईके पलानीस्वामी की अध्यक्षता में बुधवार को एक बैठक हुई। हालांकि, एआईएडीएमके के पूर्व मंत्री केपी मुनुस्वामी ने कहा है कि टीवीके को एआईएडीएमके का समर्थन मिलने की ख़बर झूठी है। वहीं डीएमके ने भी कहा है कि वह सशक्त विपक्ष की भूमिका निभाने के लिए तैयार है। डीएमके प्रमुख एमके स्टालिन ने साफ शब्दों में कहा है कि विजय को सरकार बनाने दी जाए। स्टालिन ने कहा कि डीएमके अगले छह महीने तक बिना किसी हस्तक्षेप के नयी सरकार को देखेगी और उसके बाद कोई फैसला लेगी। स्टालिन ने संकेत दिया कि फिलहाल डीएमके राज्य में ना तो संवैधानिक संकट चाहती है और ना ही जल्द दोबारा चुनाव। उन्होंने कहा कि नई सरकार को उनकी सरकार की शुरू की गई योजनाओं को जारी रखना चाहिए और टीवीके के चुनावी वादों को भी पूरा करना चाहिए। एम के स्टालिन ने विजय को मुख्यमंत्री बनाने की बात कह कर एक नैतिक साहस दिखाया है। जो संघ से दीक्षित राज्यपाल अर्लेकर नहीं दिखा पा रहे हैं। दरअसल उन्हें केवल संविधान के अनुसार चलना है, लेकिन भाजपा के विरोधी दलों को सत्ता से दूर रखने के लिए वे यह भी नहीं कर पा रहे हैं। इस मामले पर अब तमिलनाडु में सियासत तेज हो गई है। डीएमके के साथ गठबंधन में रही कांग्रेस ने टीवीके का साथ तो दिया ही है, बाकी दल भी जो टीवीके के साथ नहीं हैं, वे भी राज्यपाल पर सवाल उठा रहे हैं। माकपा महासचिव एम.ए. बेबी ने कहा है कि 'टीवीके को सबसे बड़ी पार्टी के रूप में चुना गया है। तमिलनाडु के राज्यपाल विजय को अपना दावा पेश करने के लिए क्यों नहीं बुला रहे हैं? इससे काफी संदेह पैदा होता है। तमिलनाडु के राज्यपाल को लोकतांत्रिक परंपराओं का पालन करना चाहिए। वहीं वीसीके प्रमुख थोल थिरुमावलवन ने कहा कि मैं राज्यपाल से अनुरोध करता हूं वे टीवीके अध्यक्ष जोसेफ विजय को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित करें, क्योंकि यह जनता का जनादेश और उनका संवैधानिक अधिकार दोनों है।

तमिलनाडु में क्या दुश्मन बन जाएंगे दोस्त?

> इस बीच टीवीके यानी तमिलगा वेत्री कड़गम के संस्थापक विजय ने सरकार गठन पर चर्चा के लिए गुरुवार को चुनाव जीतने वाले पार्टी के नेताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक बुलाई। यह बैठक सरकार बनाने के लिए टीवीके के बहुमत से कुछ सीट पीछे रहने की पृष्ठभूमि में हो रही है।

तमिलनाडु की राजनीति में पर्दे के पीछे कुछ ऐसी खिचड़ी पक रही है, जिसने सुपरस्टार से नेता बने थलपति विजय की टेंशन बढ़ा दी है। खबर है कि विजय की पार्टी TVK को सत्ता से दूर रखने के लिए राज्य के दो सबसे बड़े राजनीतिक दुश्मन DMK और AIADMK एक साथ आ सकते हैं। सबसे बड़ी पार्टी बनने के बाद भी विजय के लिए मुख्यमंत्री की कुर्सी अभी दिल्ली दूर जैसी है। गुरुवार को विजय लगातार दूसरे दिन राज्यपाल से मिलने पहुंचे, लेकिन बात हाथ मिला लेने भर से नहीं बनी। दरअसल, तमिलनाडु विधानसभा में बहुमत के लिए 118 विधायक चाहिए। विजय की पार्टी TVK के पास अभी 107 विधायक हैं, विजय खुद दो सीट जीते थे, इसलिए एक सीट छोड़ने के बाद आंकड़ा यहां तक पहुंचता है। नतीजों में टीवीके 108 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी तो बनी, लेकिन पेंच विजय की दोहरी जीत में फंस गया है। विजय ने दो सीटों से चुनाव जीता है, और नियम के मुताबिक एक सीट छोड़ते ही उनकी पार्टी का संख्याबल 107 रह जाएगा। कांग्रेस की 5 सीटों के समर्थन के बावजूद यह आंकड़ा 112 तक ही पहुंच पा रहा है, जो 118 के जादुई आंकड़े से 6 कम है। पहले खबर थी कि विजय 7 मई को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे, लेकिन अब पर्याप्त संख्याबल न होने के कारण शपथ ग्रहण टलने के पूरे आसार नजर आ रहे हैं।कांग्रेस के 5 विधायकों ने उन्हें साथ दिया है, यानी कुल स्कोर 112 तक पहुंचा है। मैजिक फिगर (118) तक पहुंचने के लिए अभी भी 6 विधायक कम पड़ रहे हैं। राज्यपाल ने साफ कह दिया है कि 'जब तक 118 का लेटर नहीं दिखाओगे, शपथ नहीं होगी।' विजय ने इसके लिए थोड़ा समय मांगा है, लेकिन यही समय उनके विरोधियों के लिए मौका बन गया है। सोशल मीडिया और मीडिया गलियारों में सबसे ज्यादा चर्चा DMK और AIADMK की 'सीक्रेट डील' की है। कहा जा रहा है कि विजय को रोकने के लिए दोनों पार्टियां बैकचैनल यानी चोरी-छिपे बातचीत कर रही हैं। चर्चा है कि AIADMK सरकार बनाएगी और DMK उसे बाहर से समर्थन देगी। अगर ऐसा होता है, तो यह तमिलनाडु के इतिहास का सबसे बड़ा राजनीतिक उलटफेर होगा। इधर जैसे ही राज्य में दो धुर-विरोधी दलों के गठबंधन की सुगबुगाहट बढ़ी, 'रिसॉर्ट पॉलिटिक्स' की एंट्री हो गई। AIADMK के

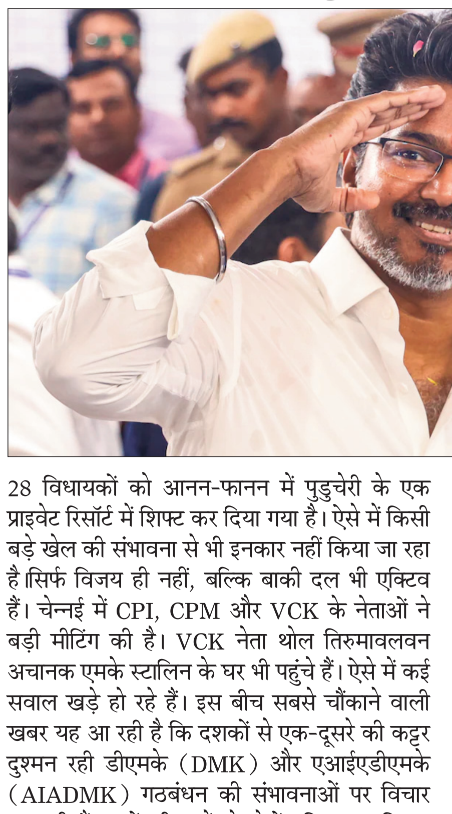

28 विधायकों को आनन-फानन में पुडुचेरी के एक प्राइवेट रिसॉर्ट में शिफ्ट कर दिया गया है। ऐसे में किसी बड़े खेल की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा रहा है सिर्फ विजय ही नहीं, बल्कि बाकी दल भी एक्टिव हैं। चेन्नई में CPI, CPM और VCK के नेताओं ने बड़ी मीटिंग की है। VCK नेता थोल तिरुमावलवन अचानक एमके स्टालिन के घर भी पहुंचे हैं। ऐसे में कई सवाल खड़े हो रहे हैं। इस बीच सबसे चौंकाने वाली खबर यह आ रही है कि दशकों से एक-दूसरे की कट्टर दुश्मन रही डीएमके (DMK) और एआईएडीएमके (AIADMK) गठबंधन की संभावनाओं पर विचार कर रही हैं। सूत्रों की मानें तो दोनों द्रविड़ दल विजय की बढ़ती ताकत को रोकने के लिए हाथ मिला सकते हैं। यदि ये दोनों धुर-विरोधी दल साथ आते हैं, तो तमिलनाडु की राजनीति में यह अब तक का सबसे बड़ा उलटफेर होगा। फिलहाल पूरी नजर राजभवन पर टिकी है कि क्या विजय जरूरी समर्थन जुटा पाएंगे या फिर तमिलनाडु की पुरानी ताकतें मिलकर नया खेल करेंगी। गौरतलब है कि भयंकर विरोध के बावजूद भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने विजय की पार्टी को समर्थन देकर पहले ही अपने पत्ते खोल दिए हैं। कांग्रेस के इस कदम ने DMK खेमे में खलबली मचा दी है, जिससे मुख्यमंत्री स्टालिन और AIADMK खेमे के बीच बातचीत की राह आसान हुई है। चेन्नई की सड़कों पर चर्चा आम है कि क्या यह गठबंधन केवल सरकार बनाने के लिए है या भविष्य में फिल्म स्टार्स की राजनीति को जड़ से उखाड़ने की एक सोची-समझी रणनीति तमिलनाडु विधानसभा चुनाव को देखते हुए टीवीके ने विजय को चुनाव की सारी जिम्मेदारी दी है कि वे आगे गठबंधन के बारे में फैसला करें। इसके साथ ही पार्टी ने दो करोड़ नए सदस्यों को जोड़ने का बड़ा लक्ष्य रखा है। विजय सितंबर से दिसंबर के बीच तमिलनाडु के हर कोने का दौरा करेंगे और जनता से मिलकर समर्थन जुटाएंगे। टीवीके की इस तैयारी को देखते हुए यह साफ है कि पार्टी आने वाले चुनावों में एक नई ताकत के तौर पर सामने आना चाहती है और तमिलनाडु की राजनीति में बदलाव लाने की कोशिश कर रही है। तमिलनाडु में नई सरकार के गठन की राह मुश्किल होती नजर आ रही है। 108 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थलपति विजय की टीवीके, कांग्रेस के समर्थन के साथ सरकार बनाने का दावा पेश करने राज्यपाल के पास पहुंची। लेकिन सरकार बनाने के लिए 118 विधायकों की पर्याप्त संख्या नहीं होने पर राज्यपाल ने उन्हें वापस भेज दिया। इस बीच तमिलनाडु की राजनीति के दो धुर प्रतिद्वंद्वी डीएमके और एआईएडीएमके के साथ आने की खबर ने सभी को चौंका दिया। एआईएडीएमके के सूत्रों का दावा है कि उनकी डीएमके के साथ गठबंधन को लेकर बातचीत चल रही है और अभी डीएमके की तरफ से ये फैसला होना बाकी है कि वो इस गठबंधन को लेकर क्या फैसला लेगी। अगर ये गठबंधन होता है तो ऐसे में तीन स्थितियां बनेंगी। इनमें पहली स्थिति बनने की संभावना बहुत मुश्किल है, जिसमें डीएमके गठबंधन और एआईएडीएमके गठबंधन हो जाए। ये इसलिए मुश्किल है क्योंकि डीएमके में कांग्रेस है और एआईए-डीएमके में बीजेपी है। इस बीच तमिलनाडु के सियासी गेम में अचानक भाजपा की एंट्री हो गई है। सरकार वाली फ्रेम में अब तक भाजपा नहीं थी। मगर अब भाजपा ने एआईएडीएमके को धर्मसंकट में डाल दिया है। मगर एक्टर विजय के लिए तब भी खुशखबरी ही है।जी हां, भाजपा के नए दांव से टीवीके चीफ थलपति विजय की चांद ही चांदी है। भाजपा अब चाहती है कि टीवीके की ही तमिलनाडु में सरकार बने। इसके लिए भाजपा तमिलनाडु में अपनी सहोयगी एआईएडीएमके को थलपति विजय की TVK के साथ गठबंधन के लिए जोर दे रही है। भाजपा के इस दांव से एआईएडी-एमके धर्मसंकट में है। एआईएडीएमके पर टूट यानी विभाजन का खतरा मंडरा रहा है। उसे भी उद्धव ठाकरे की शिवसेना जैसा खतरा महसूस हो रहा है। मीडिया में आ रही खबर के मुताबिक, तमिलनाडु रिजल्ट के बाद एआईएडीएमके (AIADMK) अपने सबसे गंभीर अंदरूनी संकट की ओर बढ़ती दिख रही है। एआईए-डीएमके विजय की टीवीके के साथ गठबंधन को लेकर धर्मसंकट में है। पार्टी के भीतर इस बात पर गहरे मतभेद उभर आए हैं कि क्या थलपति विजय की पार्टी 'तमिलगा वेट्री कझगम' (TVK) को गठबंधन सरकार बनाने में समर्थन दिया जाए या नहीं। सूत्रों का कहना है कि इस पूरे घटनाक्रम के पीछे भाजपा बहै। भाजपा नहीं चाहती कि टीवीके और कांग्रेस का गठबंधन हो। इसके लिए भाजपा चाहती है कि एआई-एडीएमके और टीवीके साथ मिलकर सरकार बनाए। इसकी वजह है भाजपा की जिद, सके तहत वह कांग्रेस को तमिलनाडु की सत्ता में आने से रोकना चाहती है। खुद एआईएडीएमके के सूत्रों ने इस बात की पुष्टि की है कि भाजपा टॉप लीडरशिप इस बात से असहज है कि तमिलनाडु में कांग्रेस के सममर्थन से टीवीके की सरकार बन सकती है। वह भी ऐसी स्थिति में जब पड़ोसी राज्य केरल में कांग्रेस ने एक बार फिर से जोरदार वापसी की है।

■ अशोक भाटिया

जन सुराज का...

प्रवीण मालवीय

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर

उत्तर प्रदेश आज ऊर्जा क्षेत्र में एक नई पहचान बना रहा है। कभी बिजली की कमी और अनियमित आपूर्ति के लिए चर्चा में रहने वाला यह राज्य अब ऊर्जा उत्पादन, वितरण और प्रबंधन के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां दर्ज कर रहा है। इस परिवर्तन के केंद्र में मा0 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी का दूरदर्शी नेतृत्व और ऊर्जा क्षेत्र में निरंतर सुधारों को प्राथमिकता देने वाली नीतियां रही हैं। इसी क्रम में मा0 मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में मार्च 2026 के प्रथम सप्ताह में घाटमपुर तापीय विद्युत परियोजना की 660 मेगावाट क्षमता वाली यूनिट-3 का सफल सिंक्रोनाइजेशन करते हुए एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की गई है। यह उपलब्धि केवल एक तकनीकी सफलता नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश के ऊर्जा क्षेत्र में हो रहे व्यापक बदलाव का प्रतीक है। घाटमपुर परियोजना, जो कि नेवेली उत्तर प्रदेश पावर लिमिटेड द्वारा संचालित है, राज्य और केंद्र सरकार के समन्वित प्रयासों का उत्कृष्ट उदाहरण है। यह परियोजना एनएलसी इंडिया लिमिटेड और उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड के संयुक्त उपक्रम के रूप में विकसित की जा रही है, जिसमें आधुनिक तकनीक और उच्च गुणवत्ता के मानकों का विशेष ध्यान रखा गया है। घाटमपुर परियोजना की यूनिट-3 का 765 केवी ग्रिड से सफल सिंक्रोनाइजेशन प्रदेश के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है। इससे न केवल विद्युत उत्पादन क्षमता में वृद्धि होगी, बल्कि प्रदेश के लाखों उपभोक्ताओं को बेहतर और निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जा सकेगी। अनुमान है कि परियोजना के पूर्ण रूप से संचालित होने पर प्रतिदिन लगभग 47.52 मिलियन यूनिट बिजली का उत्पादन होगा, जो प्रदेश की बढ़ती ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। प्रदेश के मा0 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में राज्य सरकार ने ऊर्जा क्षेत्र को प्राथमिकता देते हुए उत्पादन क्षमता बढ़ाने, वितरण व्यवस्था को सुदृढ़

करने और तकनीकी आधुनिकीकरण पर विशेष जोर दिया है। इसका परिणाम यह है कि आज उत्तर प्रदेश की कुल स्थापित विद्युत उत्पादन क्षमता निरंतर बढ़ रही है और घाटमपुर परियोजना की नई इकाई के जुड़ने से यह लगभग 13,388 मेगावाट तक पहुंचने की संभावना है। यह भी उल्लेखनीय है कि घाटमपुर परियोजना की यूनिट-1 और यूनिट-2 पहले ही क्रमशः दिसंबर 2024 और दिसंबर 2025 से सफल-तापूर्वक संचालन में हैं। यह परियोजना चरणबद्ध तरीके से प्रगति कर रही है, जो सरकार की योजनाबद्ध कार्यशैली और प्रतिबद्धता को दर्शाती है। ऊर्जा क्षेत्र में इस प्रकार की निरंतर प्रगति उत्तर प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक मजबूत आधार तैयार कर रही है। ऊर्जा उत्पादन के साथ-साथ राज्य सरकार पर्यावरण संरक्षण के प्रति भी पूरी तरह सजग है। घाटमपुर परियोजना में एफजीडी (थ्सनम ळंे क्मेनसचीनतप्रंजपवद) और एससीआर ;ैमसमबज-पअम बंजंसलजपब त्मकनबजपवद) जैसी अत्याधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है, जिससे प्रदूषण नियंत्रण सुनिश्चित किया जा सके। इसके अतिरिक्त श्ंमतव स्पुनपक क्पेबींतहमश् प्रणाली के माध्यम से जल संरक्षण और पर्यावरण संतुलन को भी प्राथमिकता दी जा रही है। उत्तर प्रदेश विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित करते हुए आगे बढ़ रहा है। प्रदेश के ऊर्जा मंत्री श्री ए.के. शर्मा ने प्रदेश के लिए इस उपलब्धि को ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है। राज्य सरकार उपभोक्ताओं को विश्वसनीय, गुणवत्तापूर्ण और निर्बाध बिजली आपूर्ति उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। ऊर्जा विभाग लगातार सुधारों और नवाचारों के माध्यम से अपनी कार्यक्षमता बढ़ा रहा है। ऊर्जा क्षेत्र में यह प्रगति केवल बिजली उत्पादन तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका सीधा प्रभाव औद्योगिक विकास, निवेश आकर्षण और रोजगार सृजन पर भी पड़ रहा है। पर्याप्त और स्थिर विद्युत आपूर्ति किसी भी राज्य के आर्थिक विकास की आधारशिला होती है, और उत्तर प्रदेश इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। बेहतर बिजली व्यवस्था से उद्योगों को प्रोत्साहन मिल रहा है और राज्य में निवेश भी बढ़ रहा है। प्रदेश में आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिल रही है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में भी बिजली आपूर्ति में सुधार होगा, जिससे किसानों, छोटे व्यापारियों और आम नागरिकों को सीधा लाभ मिलेगा। बिजली की सुलभ उपलब्धता से सिंचाई, शिक्षा, स्वास्थ्य और लघु उद्योगों के विकास में तेजी आयेगी। राज्य सरकार इस आवश्यकता को पूरी गंभीरता से समझते हुए कार्य कर रही है। मा0 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने ऊर्जा क्षेत्र में जो उपलब्धियां हासिल की हैं, वे राज्य के समग्र विकास की कहानी को मजबूत बनाती हैं। घाटमपुर परियोजना की यूनिट-3 का सफल सिंक्रोनाइजेशन इसी सफलता श्रृंखला की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। यह उपलब्धि न केवल वर्तमान आवश्यकताओं को पूरा करने में सहायक होगी, बल्कि भविष्य की ऊर्जा जरूरतों के लिए भी एक मजबूत आधार तैयार करेगी। उत्तर प्रदेश आज ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से अग्रसर है। निरंतर बढ़ता ऊर्जा उत्पादन, आधुनिक तकनीकों का उपयोग, पर्यावरणीय संतुलन और मजबूत नेतृत्व यह सभी तत्व मिलकर राज्य को एक नई ऊंचाई पर ले जा रहे हैं।

ज्योति मणि और...

राजेश श्रीवास्तव

राहुल के खाते में 99वीं हारः दो दशक से कांग्रेस की राजनीति के केंद्र, लेकिन जनता लगातार नकार रही उनका नेतृत्व

करीब दो दशकों से राहुल गांधी राष्ट्रीय राजनीति के केंद्र में बने हुए हैं और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रमुख नेता के तौर पर लगातार सक्रिय रहे हैं। मार्च 2004 में राजनीति में प्रवेश के बाद से उन्होंने कई लोकसभा और विधानसभा चुनावों में पार्टी के अभियान की कमान संभाली, लेकिन चुनावी नतीजों को लेकर उनके नेतृत्व पर लगातार सवाल उठते रहे हैं। उन्हें देशभर में 99 बार हार का सामना करना पड़ा है। जनता लगातार उनके नेतृत्व को नकारती रही है। केरल, पुदुचेरी, पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु में हुए विधानसभा चुनाव में केरल को छोड़कर बाकी राज्यों में कांग्रेस के हाथ निराशा लगी। कांग्रेस को केरल में 63, पश्चिम बंगाल में केवल दो, असम में 19, पुदुचेरी में एक सीटें और तमिलनाडु में पांच सीटें मिली। पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के परिणाम कांग्रेस के लिए किसी बड़े राजनीतिक सदमे से कम नहीं हैं। केरल को छोड़कर, जहां वाम मोर्चे के खिलाफ दस साल की एंटी-इनकंबेंसी के चलते कांग्रेसनीत यूडीएफ की जीत पहले से ही तय मानी जा रही थी, शेष चार राज्यों के नतीजों ने पार्टी की सांगठनिक कमजोरियों की पोल खोलकर रख दी है। इन नतीजों ने साफ कर दिया है कि कांग्रेस न तो अपनी पुरानी गलतियों से सबक ले रही है और न ही जोखिम उठाकर नई रणनीति बनाने का साहस दिखा पा रही है। यह न केवल कांग्रेस, बल्कि पूरे इंडिया ब्लॉक के लिए करारा झटका है, जिससे उबरना उसके लिए काफी मुश्किल होगा। पश्चिम बंगाल और असम में कांग्रेस ने जैसा प्रदर्शन किया, वह काफी हद तक अपेक्षित भी था, लेकिन तमिलनाडु के नतीजों ने कांग्रेस नेतृत्व की भारी रणनीतिक खामियों को उजागर कर दिया है। अचरज तो इस बात को लेकर है कि पार्टी नेतृत्व राज्य में द्रमुक के खिलाफ पनप रहे सत्ता विरोधी रुझान को भांपने में हर स्तर पर विफल रहा। कांग्रेस के आंतरिक सर्वे भी राज्य में अभिनेता विजय की नई पार्टी 'तमिलगा वेत्री

कझगम' (टीवीके) के एक मजबूत ताकत के रूप में उभरने के संकेत दे रहे थे। कांग्रेस के पास टीवीके के साथ गठबंधन करने का तब एक सुनहरा अवसर भी था, जब खुद विजय के पिता एसए चंद्रशेखर ने साल की शुरुआत में स्वयं गठबंधन करने का प्रस्ताव दिया था। विजय की पार्टी के साथ चुनावी तालमेल करने की जोरदार पैरवी करने वाले कांग्रेस नेता प्रवीण चक्रवर्ती ने चुनाव नतीजों के तुरंत बाद एक टीवी चैनल पर कहा भी कि हमने राज्य में एक बड़ा मौका गंवा दिया। उनके मुताबिक, अगर राज्य में कांग्रेस और टीवीके के बीच गठबंधन होता तो राहुल गांधी और विजय की जोड़ी राज्य में दो-तिहाई बहुमत के साथ सत्ता में आती। बकौल चक्रवर्ती, राज्य के युवा मतदाता बदलाव चाहते थे। ज्योति मणि और मणिकम टैगोर जैसे युवा कांग्रेसी सांसद भी पुराने गठबंधन को छोड़कर टीवीके के साथ जाने के पक्ष में थे। लेकिन पार्टी के वरिष्ठ नेता पुरानी वफादारी पर अड़ गए। राहुल गांधी और केंद्रीय नेतृत्व ने भी पी चिदंबरम जैसे कुछ दिग्गज कांग्रेस नेताओं की सलाह को तरजीह दी और टीवीके के साथ गठबंधन करने का साहस नहीं दिखा पाए। विशेषज्ञ बताते हैं कि असम में मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के प्रखर हिदुत्ववादी एजेंडे का मुकाबला करना कांग्रेस के लिए पहले से ही आसान नहीं था, लेकिन पार्टी वहां कुछ बेहतर करने की अपेक्षा तो रख सकती थी। किंतु, समस्या यह थी कि वहां भाजपा से लड़ने के बजाय पार्टी के वरिष्ठ नेता आपस में ही सिर-फुटव्वल में लगे रहे।

जरा हटके

सुप्रीम कोर्ट ने...

अशोक भाटिया

चक्रव्यूह बनते कोचिंग सेंटर एवं शिक्षण संस्थान

शिक्षण संस्थानों और कोचिंग सेंटरों में भिन्न-भिन्न कारणों से विद्यार्थियों में आत्महत्या की घटनाएं बढ़ रही हैं। ऐसा लगता है जैसे ऐसे कुछ स्थान विद्यार्थियों के लिए चक्रव्यूह बन जाते हैं जिसमें वे बहुत सारे सपने और दबावों के साथ घुस तो जाते हैं लेकिन उन्हें भेदकर वापस नहीं निकल पाते। जैसे ही छोटी बड़ी परीक्षाओं के व नौकरियों के विज्ञापन अथवा परिणाम आते हैं वैसे ही प्रिंट, इलेक्ट्रानिक और आजकल तो सोशल मीडिया में भी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करवाने वाले कोचिंग सेंटरों के बड़े-बड़े विज्ञापनों की भरमार होती चली जाती है। कोचिंग के लिए प्रवेश हेतु जहां एक ओर भिन्न-भिन्न प्रकार की स्वरचित नियमावली, लुभावनी छूट एवं अन्य आकर्षण उपलब्ध हैं तो वहीं दूसरी ओर परीक्षा के परिणाम आते ही फोटो के साथ रैंकिंग में एक दूसरे से आगे बढ़ने की होड़ भी साफ देखी जा सकती है। यह मामला यहीं तक सीमित नहीं है। ये विज्ञापन स्वप्न दिखाते हैं और फिर पैकेज, प्लेसमेंट , सफलता दर आदि के नाम पर बच्चों, युवाओं और माता-पिता का भावनात्मक, मानसिक और आर्थिक शोषण भी कर रहे हैं। इन पर रोकथाम हेतु शासन- प्रशासन की कोई नियमावली नहीं है। जब छोटी बड़ी कोई दुर्घटना होती है तो दो-चार दिन समाचार छपते हैं और फिर मामला नेपथ्य में चला जाता है। प्रत्येक बच्चे की अपनी क्षमताएं होती हैं। लेकिन कई बार माता-पिता की जबरदस्ती के चलते बच्चा केवल एक उपकरण बनकर रह जाता है। कई बार बच्चे की आर्थिक और भाषिक पृष्ठभूमि भिन्न होने से जब वह पढ़ाई के नए मध्यम एवं नए परिवेश में जाता है तो वह सामंजस्य नहीं बैठा पाता, जिससे उसका अवसाद ग्रस्त होना बड़ा स्वाभाविक है। ध्यान रहे घर में, स्कूल में, कोचिंग केंद्र पर, प्रवेश के बाद शिक्षण संस्थानों में और फिर अच्छे पैकेज वाली नौकरी के लिए बना तनाव और अवसाद का यह सिलसिला धीरे धीरे भयंकर विकृति का रूप ले लेता है। थोड़ी सी भी असफलता व तनाव में वह निराश होकर आत्महत्या की ओर बढ़ जाता है। विगत दिनों आइआइटी बांबे से बीटेक करने के बाद मल्टीनेशनल कंपनी से संबद्ध और फिर प्रशासनिक सेवा की तैयारी कर रहे अभिनव का सुसाइड नोट चिंतित करने वाला है जिसमें लिखा था- किसान-माली बन जाना, पढ़ाई का दबाव मत लेना। इस समाचार के अगले ही दिन दो और समाचार छपे। एक समाचार आइआइटी खड़गपुर

से था। जहां कैंपस में मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के तीसरे वर्ष के छात्र जयवीर सिंह डोडिया ने आठवीं मंजिल से छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली। विदित हो कि यहां वर्ष 2025 में सात छात्रों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हुई थी जिनमें से पांच के शव फंदे से लटके मिले थे। दूसरा समाचार हरियाणा के कुरुक्षेत्र स्थित राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआइटी) से था,जहां हाल ही में बीटेक प्रथम वर्ष की एक छात्रा ने आत्महत्या की कोशिश की। वह बोली- मीडिया को बुलाओ, कुछ सच्चाई बताना चाहती हूं। यह सच्चाई क्या है, यह अभी सामने आना बाकी है। ज्ञात हो कि एनआइटी कुरुक्षेत्र में विगत दो महीने में चार विद्यार्थियों ने आत्महत्या कर ली, जिससे उपजे हगांमे के बाद प्रशासन ने 20 दिन की छुट्टी की घोषणा कर दी। क्या छुट्टी कर देने से अथवा इस प्रकार के मामलों को दबा देने से इस दिशा में सुधार होगा? ध्यान रहे आत्महत्याओं के अधिकांश मामले तकनीकी और प्रबंधन संस्थानों से अधिक आ रहे हैं। आज एक समाज, शिक्षण संस्थान और शासन-प्रशासन के नाते हमें गंभीरता से यह विचार करना होगा कि आखिर ये छात्र आत्महत्या क्यों कर रहे हैं? क्या पाठ्यक्रमों की विसंगतियां इन्हें ऐसा करने के लिए मजबूर कर रही हैं अथवा क्या हम इन्हें इतना भी शिक्षित नहीं कर पा रहे हैं कि ये जीवन में आने वाली छोटी-मोटी परेशानी एवं तनावों को झेल सकें। ध्यान रहे आइआइटी, आइआइएम और एनआइटी जैसे उत्कृष्ट संस्थानों में जाने वाला विद्यार्थी सामान्य नहीं है। वह कठोर परिश्रम करके वहां तक पहुंच पाता है। सामान्यतः उच्च शिक्षण संस्थानों में पढ़ने वाले विद्यार्थी मित्रों, परिवार और समाज से दूर छात्रावास आदि में रहकर पढ़ाई करते हैं। दूर होने से कई बार विद्यार्थी अवसाद का शिकार हो जाते हैं। कई बार अकेले रहकर ऐसे विद्यार्थी ऑनलाइन गेमिंग एवं नशे जैसी बुराई के शिकार भी हो जाते हैं। देश के अनेक शिक्षण संस्थानों में ऐसे छात्रों की काउंसलिंग के लिए समुचित व्यवस्थाएं नहीं हैं। जहां हैं वहां शर्म और डर भी एक बड़ी बाधा दिखाई देती है। कई बार पढ़ाई, परीक्षा, परियोजना कार्य और आपसी प्रतिस्पर्धा भी आत्महत्या का कारण बन जाती है। छात्र के लिए खानपान, रहन-सहन और संतुलित जीवन शैली बहुत आवश्यक है। इसमें विकृति भी कई प्रकार की बीमारियों और अवसाद का कारण बन रही है। आंकड़ों के अनुसार प्रतिवर्ष हजारों छात्र आत्महत्या कर लेते हैं। विगत दिनों प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में लगभग 4 प्रतिशत की दर से छात्र आत्महत्या के मामले बढ़ रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार देश के महाराष्ट्र, तमिलनाडु और मध्यप्रदेश वो राज्य हैं जहां छात्र सबसे ज्यादा आत्महत्या करते हैं। समय-समय पर शिक्षण संस्थानों से भिन्न-भिन्न प्रकार के उत्पीड़न के मामले भी सामने आ रहे हैं। ऐसे में भी पीड़ित द्वारा आत्महत्या की संभावना बढ़ जाती है। विगत लंबे समय से शिक्षण संस्थानों में भिन्न-भिन्न प्रकार के ड्रग्स आपूर्ति के मामले भी लगातार सामने आ रहे हैं। ड्रग्स की लत और फिर उसकी पूर्ति न होने के कारण भी छात्रों में अपराधिक प्रवृत्ति व आत्महत्या की संभावना बढ़ जाती है। कई बार साथियों का अनुचित व्यवहार, प्रेम के मामले और फिर उनका टूटना भी शिक्षण संस्थानों में अपराध एवं आत्महत्या की संभावनाओं को बढ़ा रहा है। इस प्रकार के मामलों में कई बार सच्चाई सामने ही नहीं आ पाती है। आज हमें यह भी समझना होगा कि विकासक्रम के साथ-साथ जीवन पद्धति और परिस्थितियों में भी बदलाव आ रहे हैं। तकनीक आधारित और अत्यधिक आधुनिक कही जाने वाली जीवनशैली अपने साथ कई प्रकार की विकृतियां भी लेकर आ रही है। क्या इन सब बातों को देखते हुए स्कूलों, महाविद्या-लयों और उच्च शिक्षण संस्थानों में इन विकृतियों से निपटने हेतु प्रशिक्षण की कोई व्यवस्था है? श्रीमद्भगवत गीता में लिखा है- निर्द्वंद, शांत, तनाव रहित और इच्छाओं के दबाव से मुक्त व्यक्ति प्रसन्न और स्वस्थ रहता है। क्या आज हम इन सभी के दबाव से ग्रस्त नहीं हैं? जैसे ही छोटी बड़ी किसी भी परीक्षा के परिणाम आते हैं तो देश में कई स्थानों से छात्रों द्वारा आत्महत्याओं के समाचार भी सामान्य होते जा रहे हैं। 'थ्री इडियटस' नामक फिल्म में उच्च शिक्षण संस्थानों का जो सत्य दिखाया गया है, क्या वह आज भी जारी नहीं है? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मन की बात व परीक्षा पे चर्चा जैसे महत्वपूर्ण कार्यक्रमों के माध्यम से लगातार - प्रतिस्पर्धा नहीं, अनुस्पर्धा।

आईपीएल में खिलाड़ियों की हनी ट्रैपिंग का खतरा

होटल, डगआउट में बाहरी लोगों की एंट्री पर रोक, मालिकों पर भी नजर रहेगी

नई दिल्ली, एजेंसी

इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) में खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ की सुरक्षा को लेकर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) ने बड़ा कदम उठाया है। हनी ट्रैप, फिक्सिंग और भ्रष्टाचार जैसी गतिविधियों के बढ़ते खतरे को देखते हुए बोर्ड ने सुरक्षा प्रोटोकॉल को और सख्त कर दिया है। अब खिलाड़ियों के होटल रूम, टीम बस, ड्रेसिंग रूम और डगआउट जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में बिना अनुमति किसी भी बाहरी व्यक्ति की एंट्री पूरी तरह प्रतिबंधित कर दी गई है। BCCI की एंटी करप्शन एंड सिक्योरिटी यूनिट (ACSU) की हालिया रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि कई मैचों के दौरान टीम डगआउट, होटल और टीम बस में ऐसे लोग देखे गए, जिन्हें वहां मौजूद रहने की अनुमति नहीं थी। बोर्ड ने इसे सुरक्षा और प्रोटोकॉल उल्लंघन का गंभीर मामला माना है। इसके बाद सभी फ्रेंचाइजियों,

खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ को सख्त चेतावनी जारी की गई है। BCCI ने साफ कर दिया है कि अब फ्रेंचाइजी मालिकों और उनसे जुड़े लोगों की गतिविधियों पर भी करीबी नजर रखी जाएगी। बोर्ड के मुताबिक IPL जैसे बड़े टूर्नामेंट में किसी भी तरह की संदिग्ध गतिविधि खेल की साख को नुकसान पहुंचा सकती है। यही वजह है कि टीम मालिकों को भी टॉस के बाद डगआउट या ड्रेसिंग रूम जैसे प्रतिबंधित क्षेत्रों में जाने की अनुमति नहीं होगी। बोर्ड ने कहा है कि नियमों का उल्लंघन करने वालों पर भारी जुर्माना, निलंबन (Suspension) या टूर्नामेंट से डिस्क्वालिफिकेशन जैसी कड़ी कार्रवाई की जा सकती है। IPL में खिलाड़ियों और मैच अधिकारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए "प्लेयर्स एंड मैच ऑफिशियल्स एरिया" (PMOA) बनाया जाता है। इसमें ड्रेसिंग रूम, डगआउट, टीम कॉरिडोर और मैच से जुड़े अन्य संवेदनशील इलाके शामिल होते हैं। इन क्षेत्रों में केवल अधिकृत व्यक्तियों को ही प्रवेश की अनुमति होती है।

मेहमानों को जरूरी होगी मैनेजर की लिखित मंजूरी

BCCI सचिव देवजीत सैकिया ने सभी फ्रेंचाइजी को भेजे निर्देश में कहा कि अब किसी भी खिलाड़ी या स्टाफ के कमरे में कोई मेहमान टीम मैनेजर की लिखित मंजूरी के बाद ही एंट्री कर सकेगा। खिलाड़ियों और स्टाफ को होटल से अनियमित समय पर बाहर जाने से भी रोका गया है। अगर बाहर जाना जरूरी हो, तो सिक्योरिटी लायजन ऑफिसर और टीम इंटीग्रिटी ऑफिसर को पहले से सूचना देनी होगी।

चेन्नई सुपर किंग्स की बस।

वेपिंग और ई-सिगरेट पर पूरी तरह बैन

IPL 2026 में वेपिंग का मामले भी सामने आए हैं। इस मामले में राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग पर जुर्माना भी लगाया था। पंजाब किंग्स के युजवेंद्र चहल का एक वीडियो भी वायरल हुआ था। चहल ने इसकी पुष्टि या खंडन नहीं किया है। बोर्ड ने इस सबके बाद IPL से जुड़े सभी स्थानों ड्रेसिंग रूम, होटल और प्रैक्टिस एरिया में वेपिंग और ई-सिगरेट के इस्तेमाल पर भी सख्त प्रतिबंध लगा दिया है। बता दें कि वेपिंग और ई-सिगरेट भारतीय कानून के तहत पहले से ही बैन हैं।

BCCI ने सभी टीमों को निर्देश दिया है कि PMOA के नियमों का पूरी सख्ती से पालन किया जाए और किसी भी बाहरी व्यक्ति को वहां प्रवेश न दिया जाए।

बीसीसीआई ने यह भी कहा है कि मैच के दौरान फ्रेंचाइजी मालिक, खिलाड़ियों या टीम स्टाफ से सीधे संपर्क नहीं कर सकते। ड्रेसिंग रूम, डगआउट या मैदान में जाकर बातचीत करना भी नियमों के खिलाफ होगा।

हार्दिक की मुंबई इंडियंस में वापसी

आरसीबी मैच से पहले रायपुर पहुंचे कप्तान

नई दिल्ली, एजेंसी

मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या चोट के बाद रायपुर पहुंच गए हैं। वे रविवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) के खिलाफ अहम मुकाबले के लिए टीम से जुड़ गए हैं। हार्दिक सोमवार को लखनऊ सुपर जायंट्स (LSG) के खिलाफ खेले गए पिछले मैच में नहीं खेले थे। उनकी गैरमौजूदगी में सूर्य कुमार ने टीम की कप्तानी संभाली थी। सूर्या भी बच्चे के जन्म की वजह से मुंबई में हैं और रायपुर नहीं पहुंचे हैं। मुंबई इंडियंस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'X' पर हार्दिक की फोटो शेयर कर उनके रायपुर पहुंचने की जानकारी दी। हार्दिक पंड्या को पिछले हफ्ते अचानक पीठ में खिंचाव की समस्या हुई थी। इसके बाद मेडिकल टीम ने उन्हें आराम की सलाह

दी थी। हालांकि, चोट गंभीर नहीं थी। एहतियात के तौर पर उन्हें लखनऊ के खिलाफ मैच से बाहर रखा गया था, ताकि वे बाकी मैचों के लिए फिट रह सकें। अब वे पूरी तरह रिकवर हो चुके हैं। रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में शुक्रवार को मुंबई इंडियंस का ट्रेनिंग सेशन होगा। उम्मीद है कि हार्दिक इसमें शामिल होकर नेट्स पर बल्लेबाजी और गेंदबाजी का अभ्यास करेंगे।

फास्ट न्यूज

मलाइका अरोड़ा के डांस पर फैंस बेकाबू

लुधियाना। लुधियाना में बॉलीवुड एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा ने परफॉर्मेंस दी। मौका शहर के एक बड़े कारोबारी की एनिवर्सरी का था। मलाइका ने अपने डांस और स्टेज प्रेजेंस से मेहमानों को खूब एंटरटेन किया। मलाइका अरोड़ा को अपने बीच पाकर फैंस उनके साथ सेल्फी लेने के लिए बेकाबू होते दिखे। कार्यक्रम में उन्होंने 'चल छैया-छैया', अनारकली डिस्को चली और मुन्नी बदनाम हुई, नच्च पंजाबन जैसे गानों पर डांस किया।

केपीआईटी के को-फाउंडर रवि पंडित का निधन

पुणे। टेक कंपनी केपीआईटी (KPIT) ग्रुप के चेयरमैन और को-फाउंडर रवि पंडित का 72 साल की उम्र में शुक्रवार (8 मई) को निधन हो गया। कंपनी ने एक बयान जारी कर उनके निधन की जानकारी दी। हालांकि मौत के कारणों का खुलासा नहीं किया गया है। रवि पंडित को भारत के ऑटोमोटिव सॉफ्टवेयर और मोबिलिटी टेक्नोलॉजी इकोसिस्टम के शुरुआती आर्किटेक्ट्स में गिना जाता था। रवि पंडित ने तीन दशकों से ज्यादा समय तक पुणे मुख्यालय वाली कंपनी KPIT का नेतृत्व किया। उनके मार्गदर्शन में KPIT एक घरेलू आईटी सर्विसेज कंपनी से बदलकर ग्लोबल ऑटोमोटिव सॉफ्टवेयर और मोबिलिटी इंजीनियरिंग फर्म बनी। आज यह कंपनी अमेरिका, यूरोप और एशिया के वाहन निर्माताओं को अपनी सेवाएं दे रही है।

बड़ी म्यूजिक कंपनियां क्षेत्रीय गानों पर दांव लगा रहीं

मुंबई। म्यूजिक इंडस्ट्री में अब बड़े बदलाव देखने को मिल रहे हैं, जिसका सीधा फायदा क्षेत्रीय कलाकारों और संगीत प्रेमियों को होगा। टाइम्स म्यूजिक, वार्नर म्यूजिक और सारेगामा जैसी बड़ी कंपनियां अब स्थानीय गानों के कैटलॉग खरीदने पर भारी निवेश कर रही हैं। स्ट्रीमिंग से घटती कमाई ने कंपनियों को छोटे लेकिन मजबूत क्षेत्रीय बाजारों की ओर मोड़ा है।

शक्ति कपूर अपनी मौत की अफवाह पर भड़के

बोले- मैं बिल्कुल ठीक और खुश हूं, फेक न्यूज फैलाने वालों के खिलाफ लीगल एक्शन लूंगा

मुबंई, एजेंसी

बॉलीवुड एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर के पिता और दिग्गज एक्टर शक्ति कपूर अपनी मौत की फर्जी खबरों को लेकर भड़क गए हैं। पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर उनके निधन की अफवाहें उड़ रही थीं, जिससे एक्टर परेशान हो गए थे। अब शक्ति कपूर ने खुद सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर इन खबरों का खंडन किया है। उन्होंने बताया कि वे पूरी तरह स्वस्थ हैं और ऐसी हरकत करने वालों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराएंगे। शक्ति कपूर ने इंस्टाग्राम पर अपना एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वे काफी फिट नजर आ रहे हैं। वीडियो में एक्टर ने कहा, ₹सभी को नमस्कार, मेरी मौत की अफवाह पूरी तरह झूठी है। मैं स्वस्थ और खुश हूं। प्लीज इसे इग्नोर करें। मैं इसकी शिकायत करने जा रहा हूं, लेकिन ये ठीक नहीं है।₹ उन्होंने

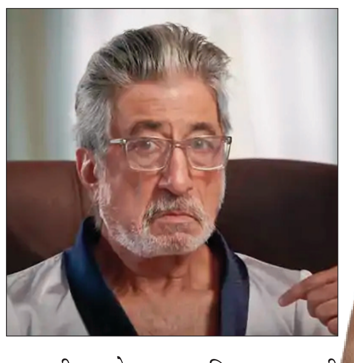

नाराजगी जताते हुए कहा कि इस तरह की फर्जी खबरें फैलाना अच्छी बात नहीं है और इससे परिवार और चाहने वालों को मानसिक तनाव होता है। शक्ति कपूर के स्वास्थ्य को लेकर अटकलें इस साल की शुरुआत में तब शुरू हुई थीं, जब उन्हें बेटी श्रद्धा कपूर के साथ एक अस्पताल के बाहर देखा गया था। उस वक्त श्रद्धा वहां मौजूद पैपराजी पर काफी भड़क गई थीं।

'उरी' एक्ट्रेस रीवा अरोड़ा से बदसलूकी

डिलीवरी बॉय ने घर पर दीं गालियां, मामला बढ़ने पर बुलानी पड़ी पुलिस, ब्लिंकिट से भी की शिकायत

मुबंई, एजेंसी

'उरीः द सर्जिकल स्ट्राइक' फेम एक्ट्रेस रीवा अरोड़ा ने अपने साथ हुई एक डरावनी घटना का खुलासा किया है। रीवा ने बताया कि 10 दिन पहले एक ऑनलाइन डिलीवरी एजेंट ने उनके और उनके परिवार के साथ बदतमीजी की और गालियां दीं। मामला इतना बढ़ गया कि बीच-बचाव के लिए मुंबई पुलिस को बुलाना पड़ा। एक्ट्रेस ने अब इस पूरी घटना को सार्वजनिक करते हुए कंपनी की जवाबदेही पर सवाल उठाए हैं। गालियां दीं, बिना उकसावे के किया दुर्व्यवहार जब एजेंट ने परिसर छोड़ने की कोशिश की, तो रीवा और उनका परिवार उसके पीछे नीचे तक गया और उसे जाने से रोका। रीवा ने तुरंत मुंबई पुलिस को फोन किया। एक्ट्रेस ने पुलिस की तारीफ करते हुए कहा, "पुलिस ने बहुत तेजी से रिस्पॉन्स दिया और तुरंत मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की। उस वक्त मामले को पुलिस ने संभाल लिया था और अब यह कानूनी माध्यमों से आगे बढ़ रहा है।"

> रीवा ने आरोप लगाया कि डिलीवरी एजेंट का गुस्सा घर के दरवाजे पर ही शांत नहीं हुआ। जब वह वहां से जा रहा था, तब लिफ्ट में रीवा की बहन को वह दोबारा मिला। रीवा ने बताया, मना करने के बावजूद वह लगातार गंदी और भद्दी भाषा का इस्तेमाल कर रहा था। हमें लगा कि उसने हद पार कर दी है। बिना किसी उकसावे के हमारे प्रति अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया गया। यह सिर्फ एक बार की बात नहीं थी, वह बार-बार ऐसा ही बोल रहा था।

डोरस्टेप से शुरू हुआ विवाद

यह घटना 26 अप्रैल की दोपहर करीब 3:30 बजे की है। रीवा के मुताबिक, जब ब्लिंकिट का डिलीवरी एजेंट ऑर्डर लेकर पहुंचा, तो शुरुआत से ही उसका व्यवहार ठीक नहीं था। रीवा ने बताया, उसका टोन काफी रूड और अनुचित था। जब मैंने जवाब दिया, तो स्थिति और खराब हो गई। मेरी मां (निशा अरोड़ा) ने दखल दिया और शांति से मामले को सुलझाने की कोशिश की, लेकिन डिलीवरी एजेंट लगातार बदतमीजी करता रहा।

इन बड़ी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं रीवा

रीवा अरोड़ा ने विक्की कौशल की फिल्म 'उरी: द सर्जिकल स्ट्राइक' में अपनी एक्टिंग से पहचान बनाई थी। इसके अलावा वह सलमान खान की 'भारत' और जान्हवी कपूर की 'गुंजन सक्सेना: जैसी बड़ी फिल्मों में भी अहम भूमिकाएं निभा चुकी हैं।

नोरा फतेही ने अश्लील गाने पर माफी मांगी

महिला आयोग से बोलीं- अब ऐसे आइटम सॉन्ग नहीं करूंगी, अश्लीलता फैलाने का इरादा नहीं था

नई दिल्ली, एजेंसी

फिल्म 'KD द डेविल' के गाने 'सरके चुनर' में अश्लीलता फैलाने के मामले में गुरुवार को बॉलीवुड एक्ट्रेस नोरा फतेही राष्ट्रीय महिला आयोग (NCW) के सामने पेश हुईं। नोरा ने आयोग को लिखित माफीनामा सौंपा और स्पष्ट किया कि उनका इरादा किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का नहीं था। नोरा ने महिला आयोग से कहा की आगे से वे ऐसे आइटम सॉन्ग्स नहीं करेंगी जिससे महिलाओं के सम्मान को ठेस पहुंचे या समाज में महिलाओं के प्रति गलत संदेश जाए। इसी के साथ नोरा ने अनाथ बच्चियों के की शिक्षा का खर्च उठाने की जिम्मेदारी भी ली है। इसलिए मैंने तय किया है कि मैं कुछ अनाथ बच्चियों की पढ़ाई का खर्च उठाऊंगी। मीडिया रिपोर्ट्स के आधार पर इस गाने पर स्वतः संज्ञान लिया था। आयोग का कहना था कि गाने के बोल और कोरियोग्राफी पहली नजर में यौन संकेत देने वाले और आपत्तिजनक हैं। शक्ति कपूर के स्वास्थ्य को लेकर अटकलें

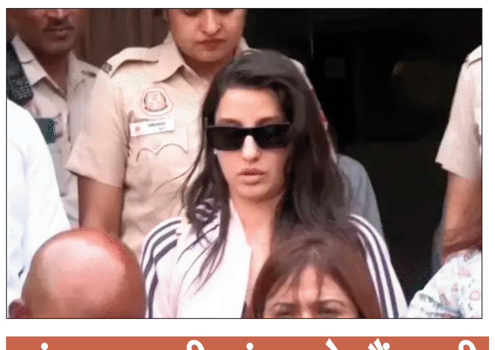

संजय दत्त भी मांग चुके हैं माफी

बता दें कि पिछले महीने इसी गाने को लेकर अभिनेता संजय दत्त भी NCW के सामने पेश हुए थे। उन्होंने भी लिखित माफीनामा देते हुए खेद जताया था। सुधारात्मक कदम के रूप में संजय दत्त ने 50 आदिवासी बच्चियों की शिक्षा का खर्च उठाने का वादा किया था। आयोग ने गाने में इस्तेमाल किए गए शब्दों और महिलाओं के चित्रण पर कड़ा ऐतराज जताया था।

इस साल की शुरुआत में तब शुरू हुई थीं, जब उन्हें बेटी श्रद्धा कपूर के साथ एक अस्पताल के बाहर देखा गया था। उस वक्त श्रद्धा वहां मौजूद पैपराजी पर काफी भड़क गई थीं।

क्या है 'सरके चुनर' विवाद?

यह विवाद 15 मार्च को फिल्म के हिंदी वर्जन गाना रिलीज होने के बाद शुरू हुआ था। गाने के बोल को लेकर सोशल मीडिया पर काफी गुस्सा देखा गया। लोगों ने इसे महिलाओं का अपमान और बेहद अश्लील बताया। विवाद बढ़ता देख मेकर्स ने यूट्यूब से गाना हटा लिया था। इस गाने की आलोचना रवि किशन, कंगना रनौत और सिंगर अरमान मलिक जैसे कई सेलेब्स ने भी की थी। पिछले महीने महिला आयोग ने मीडिया रिपोर्ट्स के आधार पर इस गाने पर स्वतः संज्ञान लिया था। आयोग का कहना था कि गाने के बोल और कोरियोग्राफी पहली नजर में यौन संकेत देने वाले और आपत्तिजनक हैं।

'मुझे हिंदी वर्जन की जानकारी नहीं थी'

दिल्ली में महिला आयोग की चेयरपर्सन विजया रहाटकर के सामने पेश होने के बाद नोरा ने मीडिया से बात की। उन्होंने कहा, मैंने लिखित में माफी मांग ली है। एक कलाकार के तौर पर मैं अपनी जिम्मेदारी समझती हूं। मेरा इरादा किसी को आहत करने का नहीं था, लेकिन यह एक ऐसी स्थिति थी जिसमें मुझे डाल दिया गया था। इससे पहले नोरा ने दावा किया था कि उन्होंने केवल कन्नड़ वर्जन के लिए शूटिंग की थी और उनकी सहमति के बिना इसे हिंदी में डब किया गया। माफी मांगने के साथ ही नोरा ने घोषणा की कि वह अनाथ लड़कियों की शिक्षा को स्पॉन्सर करेंगी। नोरा ने कहा, समाज को वापस लौटाना बहुत जरूरी है। इसलिए मैंने तय किया है कि मैं कुछ अनाथ बच्चियों की पढ़ाई का खर्च उठाऊंगी।

चीन के दो पूर्व रक्षा मंत्रियों को मौत की सजा

भ्रष्टाचार मामले में वेई फेंगहे और ली शांगफू दोषी करार

बीजिंग, एजेंसी

चीन ने भ्रष्टाचार के मामलों में दो पूर्व रक्षा मंत्री ली शांगफू और वेई फेंगहे को मौत की सजा सुनाई है। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के मुताबिक, दोनों को पहले 2 साल जेल में रखा जाएगा। अगर वह दो साल तक कोई नया अपराध नहीं करता तो सजा को आजीवन कारावास में बदला जा सकता है। ली शांगफू को पिछले साल अचानक पद से हटाया गया था, जबकि वेई फेंगहे भी सैन्य भ्रष्टाचार जांच के दायरे में आए थे। जिसके बाद दोनों को 2024 में चीन की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी से निष्कासित किया गया था। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, यह कार्रवाई राष्ट्रपति शी जिनपिंग के भ्रष्टाचार विरोधी अभियान का हिस्सा है। पिछले कुछ वर्षों में चीन की सेना

और रक्षा से जुड़े के कई वरिष्ठ अधिकारियों पर कार्रवाई की गई है। चीन के पूर्व रक्षा मंत्री ली शांगफू को पिछले साल अक्टूबर में अचानक पद से हटा दिया गया था। वे करीब दो महीने तक सार्वजनिक रूप से नजर नहीं आए थे, जिससे कई तरह की अटकलें शुरू हो गई थीं। अब पहली बार चीनी अधिकारियों ने आधिकारिक तौर पर स्वीकार किया है कि उनके खिलाफ भ्रष्टाचार से जुड़ी जांच चल रही थी। CCTV की रिपोर्ट के मुताबिक सैन्य अनुशासन जांच एजेंसी ने पाया कि ली ने गंभीर रूप से पार्टी अनुशासन और कानून का उल्लंघन' किया।

जांच : अब तक 3 की मौत, डॉक्टर बोले- यह कोरोना की तरह तेजी से नहीं फैलता

जिस जहाज पर हंतावायरस फैला, उस पर 2 भारतीय

प्राया, एजेंसी

अटलांटिक महासागर में क्रूज शिप MV होंडियस पर 2 भारतीय नागरिक शामिल है। यह वही शिप हैं, जिस पर हंतावायरस फैला है। BBC के मुताबिक अब तक जहाज पर हंतावायरस संक्रमण के पांच मामलों की पुष्टि हुई है और 3 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, नीदरलैंड की लीडेन यूनिवर्सिटी मेडिकल सेंटर में भर्ती हंतावायरस मरीज का इलाज कर रहीं डॉक्टर करिन एलेन वेल्डकैंप ने कहा कि यह वायरस कोरोना जैसा नहीं है। उन्होंने AFP से बातचीत में कहा कि हंतावायरस का इंसान से इंसान में फैलना आसान नहीं है। इसका ट्रांसमिशन कोरोना की तुलना में काफी मुश्किल है। डच फ्लैग वाला यह जहाज स्पेन जा रहा है। यह 10 मई तक स्पेन के कैनरी आइलैंड तक पहुंच सकता है, जहां जहाज पर मौजूद सभी यात्रियों की जांच होगी। WHO ने कहा कि घटना गंभीर है, लेकिन फिलहाल आम लोगों के लिए खतरा कम माना जा रहा है। डॉक्टर

MV होंडियस मार्च में दक्षिण अमेरिका के आखिरी पॉइंट उशुआइया से रवाना हुआ था। इसमें 200 से ज्यादा लोग हैं।

के मुताबिक, अभी यह साफ नहीं है कि वायरस किसी व्यक्ति के शरीर में कब तक रह सकता है। WHO प्रमुख टेड्रोस एडनॉम गेब्रेसियस ने कहा कि हंतावायरस का इंक्यूबेशन पीरियड छह हफ्ते तक हो सकता है। इसलिए आगे भी नए मामले सामने आने की आशंका बनी हुई है। नीदरलैंड के झंडे वाला यह क्रूज शिप 20 मार्च को अर्जेंटीना के उशुआइया से रवाना हुआ था। इसके बाद यह दक्षिणी ध्रुव के आसपास के इलाकों में गया और फिर अटलांटिक पार करते हुए यूरोप की ओर बढ़ रहा था।

मरीजों को आइसोलेशन में रखा जा रहा

डॉक्टर करिन एलेन वेल्डकैंप ने कहा, ऐसे मामलों में संक्रमित मरीजों को अलग आइसोलेशन रूम में रखा जाता है। ट्रेंड स्टाफ उनकी देखभाल करता है। मरीजों को तब तक आइसोलेशन में रखा जाता है, जब तक उनमें लक्षण दिखाई देते हैं। हालत सुधरने के बाद उनका टेस्ट किया जाता है। अगर रिपोर्ट नेगेटिव आती है तो आइसोलेशन हटाया जा सकता है। हार्वर्ड के प्रोफेसर एलन ने बताया कि हंतावायरस से संक्रमित लोगों को 40 दिनों के लिए क्वारंटाइन में रखा गया है, क्योंकि इसका इन्क्यूबेशन पीरियड लंबा होता है। शरीर में वायरस के घुसने से लेकर पहले लक्षण दिखने के बीच के समय को इन्क्यूबेशन पीरियड कहते है।

हंतावायरस से मौतों में एंडीज स्ट्रेन का शक

WHO के मुताबिक हंतावायरस से हुई तीन मौत के मामलों में एंडीज स्ट्रेन का शक है, जो इंसानों के बीच भी फैल सकता है। एंडीज स्ट्रेन मुख्य रूप से दक्षिण अमेरिका के अर्जेंटीना और चिली में पाया जाता है। WHO ने बताया कि एंडीज स्ट्रेन बाकी हंतावायरस से अलग है। यह संक्रमित चूहों या उनके मल-मूत्र से तो फैलता ही है, लेकिन कुछ मामलों में इंसान से इंसान में भी फैल सकता है। हालांकि, यह संक्रमण कोरोना जितना तेजी से नहीं फैलता। जांच में पता चला है कि पहले दो पीड़ित दंपती जहाज पर चढ़ने से पहले चिली, अर्जेंटीना और उरुग्वे में बर्ड वॉचिंग ट्रिप पर गए थे।

टाटा ट्रस्ट्स की अहम बैठक 16 मई तक टली

मुंबई। टाटा ट्रस्ट्स की आज 8 मई को होने वाली महत्वपूर्ण बोर्ड मीटिंग अब 16 मई को होगी। ईटी की एक रिपोर्ट के मुताबिक आंतरिक मतभेदों के चलते इस बैठक को टाला गया है। यह दूसरी बार है जब मीटिंग की तारीख बदली गई है। पहले यह मीटिंग 12 मई को होनी थी। बार-बार तारीखें बदलने से ट्रस्ट के भीतर चल रही चर्चाओं को लेकर अनिश्चितता बढ़ गई है। टाटा संस बोर्ड में प्रतिनिधित्वः बैठक का मुख्य उद्देश्य यह तय करना था कि होल्डिंग कंपनी टाटा संस के बोर्ड में टाटा ट्रस्ट्स की तरफ से कौन शामिल होगा। रिपोर्ट के अनुसार, वेणु श्रीनिवासन की जगह भास्कर भट को नॉमिनी डायरेक्टर बनाने पर विचार होना था। टाटा संस की लिस्टिंग पर फैसलाः ग्रुप में इस बात को लेकर बहस चल रही है कि क्या टाटा संस को शेयर बाजार में लिस्ट किया जाना चाहिए या इसे प्राइवेट ही रखा जाए। नोएल टाटा इसे प्राइवेट रखने के पक्ष में हैं, जबकि कुछ ट्रस्टी लिस्टिंग के विकल्प पर चर्चा चाहते हैं। गवर्नेंस और ओनरशिप स्ट्रक्चरः टाटा ट्रस्ट्स की टाटा संस में 66% हिस्सेदारी है। बैठक में टाटा ग्रुप के भविष्य के मालिकाना हक और कामकाज के तरीकों की समीक्षा की जानी थी।

ट्रम्प की टैरिफ पॉलिसी को अमेरिकी कोर्ट ने अवैध बताया

10% टैरिफ लगाने का फैसला रद्द, अदालत बोली- राष्ट्रपति ने शक्तियों का गलत इस्तेमाल किया

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के एक फेडरल ट्रेड कोर्ट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के लगाए गए 10% ग्लोबल टैरिफ को अवैध घोषित कर दिया है। कोर्ट ने गुरुवार को 2-1 के बहुमत से फैसला सुनाते हुए कहा कि यह टैरिफ 1974 के व्यापार कानून के तहत सही नहीं थे। प्रशासन के पास कांग्रेस की अनुमति के बिना इतने बड़े पैमाने पर आयात शुल्क (इम्पोर्ट ड्यूटी) लगाने का अधिकार नहीं है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक कोर्ट ऑफ इंटरनेशनल ट्रेड ने अपने फैसले में कहा कि इसी साल की शुरुआत में लगाए गए ये टैरिफ कानून अमान्य हैं। ट्रम्प ने फरवरी में एक एग्जीक्यूटिव ऑर्डर के जरिए इन ग्लोबल टैरिफ को लागू करने की घोषणा की थी प्रशासन ने ट्रेड एक्ट 1974 की धारा 122 का हवाला देते हुए तर्क दिया था कि अमेरिका 1.2 ट्रिलियन डॉलर के व्यापार

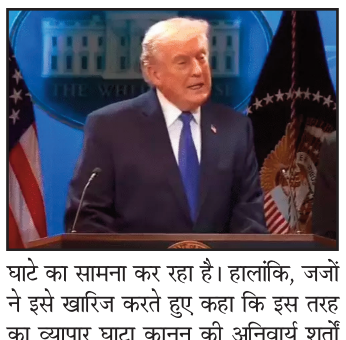

घाटे का सामना कर रहा है। हालांकि, जजों ने इसे खारिज करते हुए कहा कि इस तरह का व्यापार घाटा कानून की अनिवार्य शर्तों को पूरा नहीं करता। यह मामला इसलिए भी अहम है, क्योंकि अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने पहले ही ट्रम्प प्रशासन के कुछ टैरिफ फैसलों को यह कहते हुए रद्द कर दिया था कि राष्ट्रपति की इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर्स असीमित नहीं हैं। छोटे व्यापारियों ने कोर्ट में दलील दी थी कि 10% टैरिफ वाला नया आदेश सुप्रीम कोर्ट के पुराने फैसले को दरकिनार करने के लिए लाया गया था।

खिलौना निर्माता बोले- यह हमारी जीत

ग्लोबल सप्लाई चेन पर निर्भर छोटे व्यापारियों ने इस फैसले का स्वागत किया है। बेसिक फन कंपनी के CEO जे मय फोरमैन ने कहा कि यह उन अमेरिकी कंपनियों के लिए एक बड़ी जीत है, जो सस्ती और सुरक्षित चीजें बनाने के लिए ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग पर निर्भर हैं।

उन्होंने आगे कहा कि गैर-कानूनी टैरिफ की वजह से कंपनियों के लिए बाजार में टिके रहना और आगे बढ़ना मुश्किल हो रहा था। अब इस फैसले से सप्लाई चेन को मैनेज करने वाली कंपनियों को स्पष्टता मिलेगी।

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य से न्यूजीलैंड प्रतिनिधिमंडल की मुलाकात, तकनीकी साझेदारी पर चर्चा

यूपी में शहद उत्पादन को मिलेगा बढ़ावा, न्यूजीलैंड की तकनीक से होगा सहयोग

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में गुणवत्तायुक्त शहद उत्पादन और मधुमक्खी पालन को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश सरकार अब न्यूजीलैंड की आधुनिक तकनीक और अनुभव का सहयोग लेने जा रही है।

इसी क्रम में शुक्रवार को न्यूजीलैंड के शहद उत्पादन एवं प्रसंस्करण क्षेत्र से जुड़े प्रतिनिधिमंडल ने उप मुख्यमंत्री Keshav Prasad Maurya से शिष्टाचार भेंट कर प्रदेश में तकनीकी सहयोग और निवेश की संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा की। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग के अपर मुख्य सचिव बी.एल. मीणा ने किया।

टीम में न्यूजीलैंड के कृषि और मधुमक्खी पालन विशेषज्ञों सहित कई अधिकारी और उद्यमी शामिल रहे। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि न्यूजीलैंड में उच्च

गुणवत्ता वाले शहद उत्पादन, रोग नियंत्रण और प्रसंस्करण की अत्याधुनिक तकनीक विकसित की गई है।

इन तकनीकों को प्रशिक्षण और तकनीकी सहयोग के माध्यम से उत्तर प्रदेश के मधुमक्खी पालकों तक पहुंचाया जा सकता है। प्रतिनिधियों ने रायबरेली और बाराबंकी का दौरा कर स्थानीय मधुमक्खी पालकों से बातचीत की और प्रदेश में शहद उत्पादन की संभावनाओं का अध्ययन भी किया। प्रतिनिधिमंडल ने जानकारी दी कि न्यूजीलैंड शहद आधारित चॉकलेट टॉफी और अन्य स्वास्थ्यवर्धक उत्पादों के निर्माण में भी विशेष दक्षता रखता है। इन तकनीकों और अनुभवों को उत्तर प्रदेश सरकार के साथ साझा किया जाएगा। बैठक के बाद प्रतिनिधिमंडल ने खाद्य प्रसंस्करण निदेशालय में अधिकारियों के साथ रणनीतिक चर्चा की और प्रस्तुतीकरण के माध्यम से न्यूजीलैंड में शहद उत्पादन, गुणवत्ता नियंत्रण, रोग प्रबंधन और प्रसंस्करण की आधुनिक प्रणालियों की विस्तृत जानकारी साझा की।

अधिकारियों और उद्यमियों को भेजा जाएगा न्यूजीलैंड

उप मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शहद उत्पादन से जुड़े विभागीय अधिकारियों और उद्यमियों को विशेष प्रशिक्षण के लिए न्यूजीलैंड भेजने की कार्ययोजना तैयार की जाए। उन्होंने कहा कि आवश्यकता पड़ने पर वह स्वयं भी प्रतिनिधिमंडल के साथ न्यूजीलैंड और यूरोप का दौरा कर तकनीकी सहयोग को और मजबूत करने का प्रयास करेंगे।

किसानों की आय बढ़ाने पर सरकार का फोकस

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि भारत और न्यूजीलैंड के बीच हुए फ्री ट्रेड एग्रीमेंट से दोनों देशों के बीच व्यापार और तकनीकी सहयोग को नई गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि न्यूजीलैंड की उन्नत तकनीक का लाभ प्रदेश के मधुमक्खी पालकों को दिया जाएगा, जिससे गुणवत्तायुक्त और निर्यातोन्मुख शहद उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों को अतिरिक्त आय के साधन उपलब्ध कराने के लिए मधुमक्खी पालन को मजबूत व्यवसाय के रूप में विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

स्मार्ट प्री-पेड मीटर हटाकर पोस्टपेड व्यवस्था लागू करने पर मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने जताया आभार

ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा बोले- 15 मई से प्रदेशभर में लगेंगे बिजली शिकायत निस्तारण कैंप

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने शुक्रवार को लखनऊ स्थित कालिदास मार्ग पर प्रदेश के ऊर्जा मंत्री ए. के. शर्मा से उनके सरकारी आवास पर शिष्टाचार भेंट कर स्मार्ट प्री-पेड मीटर व्यवस्था समाप्त कर पोस्टपेड प्रणाली लागू किए जाने के निर्णय पर आभार व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार प्रदेश के करोड़ों विद्युत उपभोक्ताओं के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए लगातार जनहितकारी निर्णय ले रही है। ऊर्जा मंत्री ए. के. शर्मा ने कहा कि स्मार्ट मीटर एवं बिजली बिलों से संबंधित शिकायतों के समाधान हेतु 15 मई से 30 जून 2026 तक प्रदेशभर में अधिशासी अभियंता एवं उपखंड अधिकारी कार्यालयों पर विशेष शिकायत निस्तारण कैंप लगाए

जाएंगे। प्रत्येक कार्यालय में विशेष हेल्प डेस्क स्थापित की जाएगी, जहां बिल संशोधन एवं तकनीकी शिकायतों का मौके पर समाधान किया जाएगा।

मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि सरकार द्वारा लिया गया यह निर्णय उपभोक्ताओं को राहत, पारदर्शिता एवं सुविधा प्रदान करने वाला ऐतिहासिक कदम है। पारदर्शिता एवं जनसुविधा के संकल्प के साथ कार्य कर रही है। और भविष्य में भी आम जनता के हित में इसी प्रकार के निर्णय लिए जाते रहेंगे।

फास्ट न्यूज

रोड एक्सीडेंट में युवक की मौत

लखनऊ। लखनऊ के बीबीडी थाना क्षेत्र में जुग्गौर हाईवे पर गुरुवार रात सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई, जबकि उसका साथी घायल हो गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। मृतक की पहचान बीबीडी के जुग्गौर गांव के रमेश यादव के बेटे सुमित कुमार यादव (25) के रूप में हुई। यादव के साथ गुरुवार रात करीब 9 बजे बाइक से घर लौट रहा था।

तेज रफ्तार कार का कहर, साइकिल सवार मामा की मौत

लखनऊ। लखनऊ के बीकेटी थाना क्षेत्र में शुक्रवार तड़के तेज रफ्तार कार ने साइकिल सवार मामा-भांजे को टक्कर मार दी। हादसे में मामा की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि भांजा गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे इलाज के लिए लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतक की पहचान कल्याणपुर निवासी रामू कुमार (45) कुमार के रूप में हुई। वह अपने भांजे विजय के साथ गुरुवार रात किसान पथ के पास स्थित एक लॉन से काम खत्म कर साइकिल से घर लौट रहे थे। दोनों वेटर का काम करते थे। तड़के करीब 3 बजे बीकेटी इलाके में किसान पथ के पास पीछे से तेज रफ्तार कार ने उनकी साइकिल में टक्कर मार दी टक्कर इतनी तेज थी कि रामू कुमार सड़क पर दूर जा गिरे और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। भांजा विजय उछलकर सड़क किनारे गड्ढे में जा गिरा। वह गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों और स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को लोहिया अस्पताल में भर्ती करवाया गया।

टीबी मरीज बनकर आया युवक ले उड़ा सोना

लखनऊ। लखनऊ के गोमतीनगर विस्तार इलाके में एक शातिर युवक ने बीमारी का बहाना बनाकर सर्राफा कारोबारी से जेवर लेकर भाग गया। आरोपी खुद को टीबी का मरीज बताकर हर बार मास्क लगाकर दुकान पहुंचता था। तीन दिन तक दुकान पर आकर भरोसा जीतने के बाद वह सोने के झुमके और लॉकेट झपटकर फरार हो गया। भोला चौराहा छोटा भरवारा निवासी मुन्ना कुमार विज्ञान खंड में मंगलम ज्वेलरी नाम से दुकान चलाते हैं।

संगम सभागार, लखनऊ में नगर विकास विभाग की महत्वपूर्ण बैठक, स्वच्छता एवं वेस्ट मैनेजमेंट पर विशेष जोर

स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 की तैयारियों को लेकर मंत्री ए.के. शर्मा ने की समीक्षा बैठक

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में स्वच्छता व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री A. K. Sharma ने शुक्रवार को लखनऊ स्थित संगम सभागार में स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 की समीक्षा बैठक की। बैठक में प्रदेश भर के नगर आयुक्त, मेयर, पार्षद, ईओ और नगर विकास विभाग के अधिकारी शामिल हुए। बैठक में स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26, सिटीजन फीडबैक, कूड़ा पृथक्करण, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमावली-2026 और आरआरआर (Reduce, Reuse, Recycle) मॉडल के प्रभावी क्रियान्वयन पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन, सोर्स सेग्रीगेशन और वैज्ञानिक वेस्ट मैनेजमेंट सिस्टम को

मजबूत बनाने पर जोर दिया गया। मंत्री ने अधिकारियों से कहा कि शहरों में साफ-सफाई की व्यवस्था और बेहतर की जाए ताकि लोगों को स्वच्छ वातावरण मिल सके। बैठक में सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ और अतिक्रमण मुक्त बनाए रखने, विशेष साफ-सफाई अभियान चलाने और व्यवहार परिवर्तन आधारित जागरूकता कार्यक्रम संचालित करने पर भी चर्चा हुई। मंत्री ए.के. शर्मा ने स्पष्ट कहा कि सभी अधिकारी पूरी जिम्मेदारी और प्रतिबद्धता के साथ कार्य करें। नगर पंचायतों और नगर पालिकाओं के ईओ को निर्देश दिए गए कि वे नियमित रूप से अपने क्षेत्रों की समीक्षा करें और स्वच्छता, जल निकासी, कूड़ा प्रबंधन व नागरिक सुविधाओं में सुधार सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि सरकार प्रदेश के सभी नगर निकायों को स्वच्छ, व्यवस्थित और नागरिकों के लिए बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है और किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

स्वच्छता को जन आंदोलन बनाने पर जोर

मंत्री ए.के. शर्मा ने कहा कि स्वच्छता अभियान को जन आंदोलन के रूप में आगे बढ़ाया जाए और आम जनता की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने नगर निकायों को निर्देश दिए कि नागरिकों से ज्यादा से ज्यादा सिटीजन फीडबैक लिया जाए और वार्ड स्तर पर स्वच्छ वातावरण प्रोत्साहन समितियों को सक्रिय किया जाए।

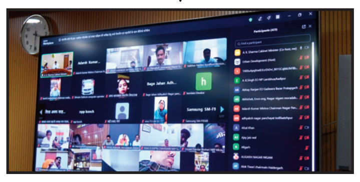

अधिकारियों को चेतावनी, लापरवाही बर्दाश्त नहीं

मंत्री ए.के. शर्मा ने स्पष्ट कहा कि सभी अधिकारी पूरी जिम्मेदारी और प्रतिबद्धता के साथ कार्य करें। नगर पंचायतों और नगर पालिकाओं के ईओ को निर्देश दिए गए कि वे नियमित रूप से अपने क्षेत्रों की समीक्षा करें और स्वच्छता, जल निकासी, कूड़ा प्रबंधन व नागरिक सुविधाओं में सुधार सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि सरकार प्रदेश के सभी नगर निकायों को स्वच्छ, व्यवस्थित और नागरिकों के लिए बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है और किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

आगामी मानसून को देखते हुए मंत्री ने सभी नगर निकायों को नाला-नालियों की नियमित सफाई, सिल्ट निकासी और जल निकासी व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। साथ ही हर निकाय में त्वरित कार्रवाई के लिए क्यूआरटी (त्वरित प्रतिक्रिया टीम) गठित करने पर भी बल दिया गया।

चुनाव आयोग घेरने निकले सपाई हिरासत में

पुलिस से धक्का-मुक्की में कपड़े फटे, लखनऊ में बापू भवन के पास नारेबाजी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में शुक्रवार को चुनाव आयोग का घेराव करने निकले समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं को पुलिस ने बापू भवन के पास रोककर हिरासत में ले लिया। इस दौरान जबरदस्त धक्का-मुक्की हुई। संघर्ष के दौरान सपा कार्यकर्ताओं के कपड़े फट गए।

सपाइयों ने चुनाव आयोग और मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन कर रहे कार्यकर्ता हाथों में 'लोकतंत्र निशाने पर' लिखी तख्तियां और अखिलेश यादव की तस्वीर लेकर पहुंचे थे।

कार्यकर्ताओं ने चुनाव आयोग के खिलाफ मुर्दाबाद के नारे लगाए। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ता प्रवेश यादव और प्रकाश मौर्य ने आरोप लगाया है कि चुनाव आयोग लोकतंत्र की हत्या करने में उतारू है।

पुलिस ने जबरन उन्हें गाड़ियों में

सपा के कार्यकर्ता पुलिस के हिरासत में लेने के दौरान सड़क पर लेट गए। उन्हें पुलिस ने जबरदस्ती उठा लिया।

बैठाया, जिससे कई कार्यकर्ताओं के कपड़े तक फट गए। मौके पर भारी पुलिस बल तैनात रहा। बापू भवन और आसपास के इलाके में सड़क पर कुछ देर यातायात बाधित हुआ।

निपुण भारत मिशन से सशक्त हो रही आधारभूत शिक्षा : मंत्री संदीप सिंह

प्रदेश में समाप्त हुई स्मार्ट प्री-पेड मीटर व्यवस्था, सभी स्मार्ट मीटर अब पोस्टपेड मोड में होंगे संचालित

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार 'निपुण भारत मिशन' के माध्यम से बच्चों में आधारभूत साक्षरता एवं संख्यात्मक दक्षता विकसित करने के लिए प्रभावी एवं परिणाममुखी प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक शिक्षा किसी भी राष्ट्र के भविष्य की मजबूत नींव होती है और सरकार प्रत्येक बच्चे तक गुणवत्तापूर्ण, समावेशी एवं आधुनिक शिक्षा पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। मंत्री संदीप सिंह शुक्रवार को लखनऊ में आयोजित देवी संस्थान (डिग्निटी एजुकेशन विजन इंटरनेशनल) द्वारा आयोजित 'फाउंडेशनल लिटरेसी एंड न्यूमेरसी (FLN)' विषयक लीडरशिप कॉन्क्लेव को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में शिक्षा

क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों, शिक्षकों एवं विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा बेसिक शिक्षा को आधुनिक एवं तकनीक आधारित बनाने के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है।

प्रदेश के हजारों विद्यालयों में स्मार्ट क्लास, आईसीटी लैब एवं डिजिटल लाइब्रेरी की स्थापना कर विद्यार्थियों को डिजिटल शिक्षण व्यवस्था से जोड़ा गया है। इससे बच्चों में सीखने की क्षमता, रचनात्मकता एवं तकनीकी दक्षता का विकास हो रहा है। बेसिक शिक्षा मंत्री ने कहा कि 'निपुण भारत मिशन' के अंतर्गत बच्चों की भाषा, गणित एवं समझ विकसित करने के लिए नवाचार आधारित शिक्षण पद्धतियों को अपनाया जा रहा है। सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक बच्चा प्रारंभिक स्तर पर पढ़ने, लिखने और गणना करने में दक्ष बन सके। उन्होंने कहा कि योगी सरकार शिक्षा के क्षेत्र में व्यापक सुधारों के माध्यम से नई पीढ़ी को आत्मनिर्भर एवं प्रतिस्पर्धी बनाने की दिशा में कार्य कर रही है। शिक्षा व्यवस्था में तकनीकी नवाचारों को शामिल कर विद्यार्थियों को भविष्य की चुनौतियों के अनुरूप तैयार किया जा रहा है। रेलवे प्रशासन का कहना है कि परीक्षार्थियों को सुरक्षित और सुगम यात्रा सुविधा उपलब्ध कराना प्राथमिकता है, जिसके लिए सभी जरूरी इंतजाम किए गए हैं।

आत्महत्या : कानपुर में सुबह घर से ऑफिस कहकर निकला, होटल में सुसाइड किया, पड़ोसी ने धमकाया था

सट्टे के कर्ज से परेशान होकर युवक ने फांसी लगाई

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर में एक युवक ने सट्टे के कर्ज से परेशान होकर गुरुवार रात जान दे दी। युवक ने पहले होटल में कमरा बुक कराया और फिर उसी कमरे में पंखे से लटक कर सुसाइड किया। देर रात तक कमरे से कोई आवाज न आने पर होटल कर्मचारियों को शक हुआ। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़कर शव बरामद किया। मृतक की पहचान रावतपुर थाना के मस्वानपुर सराय निवासी प्रशांत दीक्षित (27) के रूप में हुई। प्रशांत प्राइवेट नौकरी करते थे। परिवार में मां अर्चना दीक्षित, पत्नी अंशिका दीक्षित और डेढ़ साल की बेटी भाव्या हैं। कल्याणपुर के होटल रास प्लाजा में प्रशांत का दोस्त काम करता है, यहीं गुरुवार सुबह 10 बजे प्रशांत कमरा लेकर रुका। गुरुवार रात करीब 8 बजे होटल मालिक आदित्य को कर्मचारी ने बताया कि उनका दोस्त प्रशांत सुबह से न तो बाहर निकला और न ही कमरे से कोई आवाज आ रही है।

प्रशांत दीक्षित
मृतक

बहनोई बोले- दो दिन पहले पड़ोसी युवक ने धमकी दी थी

प्रशांत के बहनोई दीप अग्निहोत्री ने आरोप लगाया कि क्षेत्र के कुछ लोग प्रशांत को परेशान करते थे। कुछ युवक उससे सट्टा खिलवाते थे। हारने पर उससे लगातार पैसों की मांग कर रहे थे। उन्होंने बताया कि दो दिन पहले पड़ोस के एक युवक ने प्रशांत को जान से मारने की धमकी भी दी थी। इसी बात से वह काफी परेशान चल रहा था।

मां ने चार लोगों पर वसूली का आरोप लगाया

मां ने कल्याणपुर थाने में एप्लिकेशन दी है। उन्होंने आरोप लगाया- मसवानपुर निवासी इरशाद, शालू, अरुण गुप्ता, प्रदीप कई दिन से मेरे बेटे को सुबह किसी बहाने से घर से ले जाते थे। उसको सट्टा खेलने के लिए दबाव बनाते थे। गुरुवार सुबह भी इन्हीं लोगों के कहने पर प्रशांत गया था। मां ने कहा- मुझे यकीन है कि इन्हीं लोगों की प्रताड़ना से परेशान होकर और रुपए की नाजायज वसूली की वजह से मेरे बेटे ने जान दी है। ये लोग सट्टेबाज हैं और सट्टेबाजी करना इनका मुख्य पेशा है। कल्याणपुर थाना प्रभारी संतोष कुमार सिंह ने बताया कि देर शाम 112 नंबर के जरिए सूचना मिली थी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। उन्होंने कहा कि परिजनों ने कुछ लोगों पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। तहरीर मिलने पर मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी।

प्रशांत की मौत की खबर मिलते ही परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

मृतक के बहनोई दीप अग्निहोत्री ने बताया कि प्रशांत टाटा कंपनी में नौकरी करता था। गुरुवार सुबह रोज की तरह ऑफिस जाने की बात कहकर घर से निकला था।

पृष्ठ 01 का शेष...

बंगाल के ...

उधर शाह ने विधायक दल की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि ममता जी के शासन में अपराधी राजनेता बन गए तो विकास की गुंजाइश ही नहीं रही। हम घुसपैठ, हिंसा, कट मनी खत्म करेंगे। महिला सुरक्षा टॉप प्रायोरिटी होगी। 56 साल के सुवेंदु ने CM ममता बनर्जी को भवानीपुर से हराया है। वे नंदीग्राम से भी लगातार दूसरी बार चुनाव जीते। यहां से 2021 में उन्होंने ममता को हराया था। भाजपा ने विधानसभा चुनाव में 207 सीटें जीती हैं। गंगोत्री से गंगासागर तक, आज भाजपा की सरकारः 100 साल की वैचारिक यात्रा के बाद गंगोत्री से गंगासागर तक, आज भाजपा की सरकार बनी है। 1950 से जिस विचार को लेकर हम निकले, श्यामा प्रसाद मुखर्जी के विचार को लेकर निकले। आज उनकी ही पार्टी की सरकार बनी। बंगाल में भाजपा का झंडा फहराने का सपना पूरा हुआः 370 हटी तो देश भर में कार्यकर्ताओं में खुशी थी। लेकिन कई कार्यकर्ताओं ने कहा था कि अभी भी एक कसक बची है। उन्होंने कहा कि बंगाल में भाजपा का झंडा फहराना है। वो भी आज पूरा हो गया। भाजपा के 3 से 207 विधायक हुएः हमारे विधायकों के जीत का औसत मार्जिन 28 हजार है। 3 से 77 और 77 से 207 की यात्रा अभूतपूर्व है। 9 जिलों में टीएमसी का खाता तक नहीं खुला। दीदी का सूपड़ा साफ हो गया। घुसपैठियों को चुन-चुनकर निकालेंगेः भाजपा का वादा है कि बंगाल की जनता को कि न सिर्फ बंगाल, पूरे देश से हम एक-एक घुसपैठियों को चुन-चुनकर निकालेंगे। ये ध्रुवीकरण का मुद्दा नहीं है। ये देश की सुरक्षा का मुद्दा है। आरजी कर की पीड़ित की मां रत्ना देवनाथ पानीहाटी से भाजपा विधायक बनी हैं। उन्होंने कहा- मैं बेहद खुश हूं। सबसे पहली चीज जो मैं चाहती हूं, वह है मेरी बेटी के लिए न्याय और मैं बंगाल की सभी महिलाओं की सुरक्षा और संरक्षा सुनिश्चित करूंगी। पार्टी का लक्ष्य पश्चिम बंगाल का पुनर्निर्माण करना है। रिटायर्ड जजों की अगुवाई में आयोग गठित किए जाएंगे, जो संस्थागत भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच करेंगे। संदेशखाली की पीड़ित रेखा पात्रा के पास मैसेज गया है कि उन्हें भी मंत्री बनाया जा रहा है। हालांकि उन्हें कौन सा विभाग दिया जाएगा, इसकी जानकारी नहीं है।

सद्भाव यात्रा ...

इसके दो कारण हैं, सबसे पहला एपस्टीन फाइल। नरेंद्र मोदी की पूरी हिस्ट्री उस फाइल में है। ट्रंप कहता है कि नरेंद्र मोदी का करियर एक मिनट में खत्म कर दूंगा। दूसरा कारण अडाणी है। अमेरिका में इसके ऊपर क्रिमिनल केस है। ये केस अडाणी पर नहीं है, ये नरेंद्र मोदी पर है। मोदी और अडाणी एक हैं। कंपनी का नाम अडाणी है, लेकिन नाम मुदाणी होना चाहिए।" राहुल ने कहा- यहां (हरियाणा) का चुनाव बीजेपी ने चोरी किया। मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, बंगाल, असम में इन्होंने चुनाव चोरी करने का सिस्टम बना लिया। लाखों नाम काट देते हैं, नए नाम जोड़ देते हैं। आयोग इनके कंट्रोल में है, ये सोचते हैं कि हम सब कर लेंगे। हरियाणा में सबसे बड़ा मुद्दा बेरोजगारी का मुद्दा है। युवाओं को डिग्री मिल जाती है, लेकिन रोजगार नहीं मिलता है। छोटी इंडस्ट्री बंद हो रही हैं। उन्होंने आखिर में कहा- मैंने यूएस डील पर लोकसभा में भाषण दिया, अमित शाह ने चार घंटे मुझे बोलने नहीं दिया। मोदी लोकसभा से भाग गए, वह आंख से आंख नहीं मिला सके। अडाणी इनकी पूरी मार्केटिंग करता है। इनके पास ईडी है, सीबीआई है, इनकम टैक्स डिपार्टमेंट है। आप लिखकर ले लो, कांग्रेस पार्टी नरेंद्र मोदी को हराएगी, फिर देखना हम नरेंद्र मोदी के खिलाफ क्या कार्रवाई करते हैं। राहुल ने कहा- नरेंद्र मोदी चूं नहीं कर सकते हैं, बिना ट्रंप की परमीशन के। वह कहेगा कि जंप मार तो वह जंप मारेगा। आप लिखकर ले लो, ये जो नरेंद्र मोदी हैं, ये टिक नहीं पाएंगे, क्योंकि जनता में इतना गुस्सा है।

डीएमके ...

सांसद टीआर बालु और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी विपक्ष के मुख्य 8वें ब्लॉक की पहली लाइन में जबकि अखिलेश यादव 6वें ब्लॉक की पहली लाइन में बैठते हैं। वहीं DMK सांसद ए राजा और कनिमोझी 8वें ब्लॉक की दूसरी लाइन में बैठते हैं। दरअसल, INDIA गठबंधन की सत्ताधारी पार्टी DMK तमिलनाडु में और TMC पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनावों में हार गई है। INDIA गठबंधन की सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस ने पश्चिम बंगाल में TMC से अलग चुनाव लड़ा था। वहीं तमिलनाडु में रिजल्ट के बाद विजय की पार्टी TVK को समर्थन दिया है। तमिलनाडु में एक्टर विजय ने 2024 में TVK पार्टी बनाई थी। विधानसभा चुनावों TVK ने 108 सीटों पर जीत हासिल की है।

एक्टर विजय ...

कांग्रेस से गठबंधन टूटने के बाद DMK ने लोकसभा में अपने सांसदों की सीट बदलने की मांग की है। पार्टी ने कहा है कि गठबंधन टूटने के बाद सदन में कांग्रेस के साथ बैठना सही नहीं है। DMK से सालों पुराना गठबंधन तोड़कर TVK को समर्थन देने पर कांग्रेस नेता के. सेल्वपेरुंथगई ने कहा- यह पीठ में छुरा घोंपना नहीं है। यह संविधान और लोकतंत्र की रक्षा करना है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने तत्काल राजनीतिक फायदे के लिए दशकों पुराने सहयोगी DMK को छोड़ दिया। यह केवल अनैतिक ही नहीं, बल्कि राजनीतिक रूप से भी अपरिपक्व फैसला है।

महिला सिपाही से सगाई टूटने पर योगी को धमकी दी

कहा- बम से उड़ा दूंगा, लड़की के इंजीनियर भाई को फंसाना चाहता था

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज। महिला सिपाही से सगाई टूटने पर शाहजहांपुर के युवक ने सीएम योगी को बम से उड़ाने की धमकी दे दी। मंगेतर के इंजीनियर भाई को फंसाने के लिए उसने व्हाट्सएप और फेसबुक पर धमकी भरा पोस्ट किया। आरोपी ने धमकी के साथ सिपाही के भाई का नंबर टैग कर दिया। प्रयागराज पुलिस ने गुरुवार को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने जुर्म कुबूल कर लिया है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी नितेश कटियार की शादी मेट्रीमोनियल वेबसाइट के जरिए महिला सिपाही से तय हुई थी। 2022 बैच की सिपाही वर्तमान में मऊ जिले में पोस्टेड है। पिता काशी राम चौरसिया प्रयागराज के मऊआइमा में रहते हैं। सगाई काशी राम के साले अशोक चौरसिया के गाजियाबाद वाले घर में हुई। लेकिन, कुछ दिन बाद ही लड़की वालों ने यह कहकर रिश्ता तोड़ दिया कि बेटी को खुद से दूर नहीं भेजेंगे। इससे

नितेश कटियार, आरोपी

नितेश भड़क गया। लड़की के भाई पवन चौरसिया से उसका विवाद हो गया। दोनों के बीच काफी कहासुनी हुई। नितेश ने पवन को फंसाने की प्लानिंग कर डाली। उसने 6 मई को योगी को जान से मारने की धमकी दे डाली। योगी को धमकी वाले पोस्ट के बाद पुलिस एक्शन में आ गई। मोबाइल नंबर के आधार पर पवन को हिरासत में ले लिया। पूछताछ में पवन ने पूरी बात बताई और नितेश पर शक जाहिर किया। इसके बाद पवन ने नितेश पर FIR कराई। फिर, पुलिस 7 मई को जलालाबाद पहुंची और नितेश कटियार को गिरफ्तार कर प्रयागराज ले आई।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676